महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

साँसे किसी का इंतजार नही करती, चलती है, या फिर चल देती है , चिंता उतनी ही करना है कि काम हो जाए, इतनी नही कि ज़िंदगी ही तमाम हो जाए

वर्ष : 17 अंक : 40 | उज्जैन, सोमवार 20 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

केरलम में सामूहिक आत्महत्या की कोशिशः मां और 17 वर्षीय बेटी की मौत, पिता-बेटे की हालत नाजुक

तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरलम के अयरकुन्नम लक्कट्टूर चिरापुरम में एक दंपति द्वारा अपने बच्चों को जहर देकर आत्महत्या करने की कोशिश में पत्नि और बेटी की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान थॉमस उर्फ जोबी (50) की पत्नी जोस्ना (40) और उनकी 17 वर्षीय बेटी मारिया थॉमस थेरेसा के रूप में हुई है। मारिया ने शनिवार तड़के 5ः30 बजे दम तोड़ दिया। उसकी पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसी दिन शाम को उसकी मां जोस्ना का भी निधन हो गया। दोनों का अंतिम संस्कार बाद में किया जाएगा। वहीं, परिवार के मुखिया जोबी और उनके 12 वर्षीय छोटे बेटे एलन थॉमस की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। यह चार सदस्यीय परिवार 13 जुलाई को अपने घर के अंदर बेहोशी की हालत में मिला था। पुलिस जांच में घर से खरपतवार नाशक (हर्बिसाइड) की एक बोतल बरामद हुई है। बताया गया है कि जोस्ना और उसके बच्चों ने इस जहर को जूस में मिलाकर पिया था, जबकि थॉमस ने इसे शराब में मिलाकर सेवन किया था। पुलिस को संदेह है कि गंभीर आर्थिक तंग के कारण ही परिवार ने यह खौफनाक कदम उठाया होगा। कोथनाल्लूर निवासी जोस्ना के भाई ने सोमवार को अपनी बहन को कई बार फोन किया। जब किसी ने फोन नहीं उठाया, तो वह उनके घर पहुंचा। घर पर ताला लगा हुआ था, लेकिन बाद में अंदर देखने पर पता चला कि चारों सदस्य घर में ही गंभीर और बेहोशी की हालत में हैं। उसने तुरंत घर का पिछला दरवाजा तोड़ा और स्थानीय लोगों की मदद से जोस्ना, थॉमस और मारिया को कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जबकि छोटे बेटे एलन को बच्चों के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जोस्ना कूरोपाडा सर्विस कोऑपरेटिव बैंक में कलेक्शन एजेंट के रूप में काम करती थी। उनकी मृतक बेटी मारिया मट्टक्कारा एचएसएस में 12वीं की छात्रा थी।

नगालैंड में लैंडस्लाइड से भारी तबाही, चार लोगों की मौत; कई मलबे में दबे

कोहिमा/ जीएनएस। रविवार को नगालैंड के मोन जिले की डिफेंस कॉलोनी में भीषण लैंडस्लाइड हुई, जिसमें कम से कम चार व्यक्ति की मौत हो गई। मलबे के नीचे कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। लैंडस्लाइड में कई घर बह गए और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। बचाव दल के एक अधिकार ने बताया कि कॉलोनी में लगभग 15 घर लैंडस्लाइड से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। असम राइफल्स, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (ह्ष्ठक्रस्न), नगालैंड पुलिस, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (स्ष्ठक्रस्न), सेना, जिला प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों के जवान प्रभावित इलाके में बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चार लोगों का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि बचाव दल बेहद खतरनाक हालात के बीच बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। मलबे के नीचे कई लोगों के के फंसे होने की आशंका है हालांकि हताहतों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस के अनुसार, लैंडस्लाइड से भारी तबाही हुई है और रिहायशी इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इलाके में लगातार बह रहे पानी के कारण बचाव कार्यों में काफी दिक्कत आ रही है। अधिकारियों ने जोखिम वाली जगहों पर रहने वाले लोगों से लैंड स्लाइड की आशंका वाली ढलानों और अस्थिर इलाकों से दूर रहने की अपील की है, क्योंकि नगालैंड और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भारी बारिश जारी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण फिर से लैंडस्लाइड की घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जान-माल को और खतरा हो सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में समानता और न्याय की भावना को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता 2026 को विधान सभा में प्रस्तुत करने के लिए अनुमोदन किया।मंत्रिपरिषद ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया । मंत्रि-परिषद के एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई है।मंत्रिपरिषद ने इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए हैं ।

मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026 के विधेयक का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने समानता और न्याय की भावना को समर्पित मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026 के विधेयक का अनुमोदन किया। साथ ही आवश्यक संवैधानिक एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूर्ण कर मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन किया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन किया। विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 (निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि, निर्मित क्षेत्र तथा विन्यास निधि के प्रावधान से छूट दिया जाना) का अनुमोदन दिया।

मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में विधेयक को प्रस्तुत करने और स्वीकृत कराने की अग्रिम कार्यवाही हेतु लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है।

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधासभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए श्रम विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को अधिकृत किया गया।

प्रदेश में 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के नागरिकों को गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सहज एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के 73 उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल में उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रूपये की स्वीकृति दी है।

मंत्रि-परिषद ने 29 उप स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन 6-बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में और 7 संस्थाओं को 100 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन को मंजूरी दी। इन संस्थाओं में 1600 नियमित एवं 71 संविदा के नवीन पदों के सृजन तथा कुल 560 व्यक्तियों को आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पर्सनल, गोल्ड लोन और क्रेडिट कार्ड पर चल रही जिंदगी... धड़ल्ले से उधार लेकर खर्च कर रहे हैं जेन जी

नई दिल्ली/ जीएनएस। दस-पंद्रह साल पहले के युवा मुख्य रूप से हाउसिंग लोन लेते थे। अब यह ट्रेंड तेजी से बदल रहा है। वे अपने शौक को पूरा करने के लिए क्रेडिट कार्ड लेने से लेकर पर्सनल लोन, गोल्ड लोन लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते। वे एक क्रेडिट कार्ड नहीं, तीन-तीन क्रेडिट कार्ड रखते हैं।

ट्रांसयूनियन सिबिल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों में क्रेडिट कार्ड रखने वालों की संख्या 1.4 करोड़ से बढ़कर 5.2 करोड़ हो गई है।

दस साल पहले देश में एक्टिव क्रेडिट कार्ड की संख्या 2.1 करोड़ थी जो वर्तमान में 10.7 करोड़ है। रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि नया क्रेडिट कार्ड लेने वाले 50 प्रतिशत जेन जी (14-29 साल की आयु वाले) है। इन जेन जी में 46 प्रतिशत मेट्रो या बड़े शहरों में नहीं बल्कि छोटे शहरों में रहते हैं। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई कि पहली बार क्रेडिट कार्ड लेने वाले युवा पहले से दो-तीन छोटे लोन ले रखे थे।

डिजिटल तरीके से कंज्यूमर लोन, स्कूटर लोन, टीवी-फ्रिज लोन मिलने के कारण युवा लोन में हिचक नहीं दिखाते हैं। युवा क्रेडिट कार्ड होल्डर्स साल भर के भीतर दूसरे कार्ड के लिए अप्लाई कर रहे हैं। 20 प्रतिशत से अधिक जेन जी दो से अधिक क्रेडिट कार्ड रखते हैं।

ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी व सीईओ भवेश जैन कहते हैं, क्रेडिट कार्ड का बाजार पहले की तुलना में अधिक सक्रिय होता जा रहा है। क्रेडिट कार्ड लेने वाले ग्राहक पहले से छोटे आकार वाले पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन या अन्य शार्ट टर्म लोन लिए हुए होते हैं। यह दर्शाता है कि ग्राहकों का क्रेडिट वैलेट अब अधिक औपचारिक होता जा रहा है।

केरल हाई कोर्ट का अहम फैसलाः 14 साल की दुष्कर्म पीड़िता को 28 हफ्ते के गर्भपात की इजाजत

कोच्चि/ जीएनएस। केरल हाई कोर्ट ने दुष्कर्म की शिकार 14 साल की लड़की को 28 हफ्ते के गर्भ को खत्म करने की इजाजत दे दी है।

जस्टिस हरिशंकर वी मेनन ने कहा कि भले ही मेडिकल बोर्ड की राय थी कि अगर प्रेग्नेंसी का समय 34 हफ्ते के करीब हो तो भ्रूण में बीमारियों का खतरा कम होगा, लेकिन दुष्कर्म की शिकार लड़की के मामले में प्रेग्नेंसी से होने वाली मानसिक पीड़ा को भी ध्यान में रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि चूंकि पीड़िता 14 साल की है और प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती है, इसलिए इसे खत्म करने की अर्जी को मंजूरी दी जानी चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पीड़िता और उसके पिता द्वारा इस प्रक्रिया को कराने की अपनी इच्छा बताते हुए लिखित सहमति देने के तुरंत बाद प्रेग्नेंसी खत्म करने की व्यवस्था की जाए। कोर्ट ने कहा कि अगर बच्चा प्रक्रिया के बाद जीवित रहता है, तो राज्य उसे नवजात शिशु की मानक देखभाल उपलब्ध कराएगा और अगर पीड़िता बच्चे को नहीं रखना चाहती है।

18 जुलाई को सातवें आसमान पर स्काईरूट, अंतरिक्ष में विक्रम-1 के आगमन का अब्दुल कलाम कनेक्शन

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में शनिवार का दिन स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। जिस देश ने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोकर अंतरिक्ष अभियान की शुरुआत की थी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बलबूते किफायती और सटीक अभियानों में सिरमौर बने, उसी भारत ने अब निजी क्षेत्र के दम पर अंतरिक्ष में नई इबारत लिख दी है।

हैदराबाद की निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से स्वदेशी तकनीक से लैस विक्रम-1 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर देश को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के नए दौर में पहुंचा दिया। यह भारत का पहला निजी तौर पर विकसित आर्बिटल लांच व्हीकल है, जिसने सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ आर्बिट) में प्रवेश किया। इसके साथ ही भारत निजी क्षेत्र की आर्बिटल लांच क्षमता हासिल करने वाला अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा देश बन गया। प्रक्षेपण के समय स्काईरूट के संस्थापक एवं इसरो के पूर्व विज्ञानी पवन कुमार चंदना और नागा भारत डाका, इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन, पूर्व इसरो प्रमुख, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पीटीआई के अनुसार, शनिवार दोपहर 12ः05 बजे उड़ान भरने वाले चार चरणों के विक्रम-1 ने तय योजना के अनुरूप मात्र 15 मिनट में करीब 450 किलोमीटर ऊंचाई पर लो अर्थ आर्बिट हासिल कर ली। इस मिशन ने रॉकेट के प्रोपल्शन, एवियोनिक्स, गाइडेंस, नेविगेशन, टेलीमेट्री और कंट्रोल सिस्टम की वास्तविक अंतरिक्ष परिस्थितियों में सफल परीक्षा भी पूरी की।

मिशन की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियों में पूरी तरह कार्बन-कंपोजिट संरचना और 3डी-प्रिंटेड इंजन का सफल प्रदर्शन शामिल रहा, जिन्हें कंपनी ने अपनी तरह की पहली तकनीक बताया है। विक्रम-1 लगभग 350 किलोग्राम तक का पेलोड कक्षा में पहुंचाने में सक्षम है।

रॉकेट ने न सिर्फ लांचिंग बल्कि सेटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने का काम भी बखूबी किया। इसके चारों चरणों ने पहली ही कोशिश में उम्मीद के मुताबिक काम किया।

नोएडा सेक्टर 19 की तीन मंजिला इमारत में आग से हड़कंप

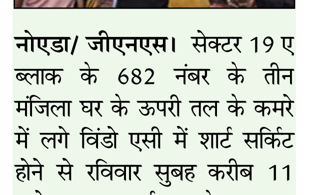

नोएडा/ जीएनएस। सेक्टर 19 ए ब्लाक के 682 नंबर के तीन मंजिला घर के ऊपरी तल के कमरे में लगे विंडो एसी में शार्ट सर्किट होने से रविवार सुबह करीब 11 बजे आग लग गई। घर के आसपस धुएं का गुबार छा गया।

आग तीसरे तल से दूसरे तल तक भी पहुंच गई। आग के विकराल रूप धारण करने से पहले से ही भवन में मौजूद युवतियों समेत 11 लोग बाहर निकल आए। अग्निशमन टीम ने तीन गाड़ियों की मदद से करीब घंटेभर में आग को बुझाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। नोएडा सेक्टर 19 आरडब्ल्यूए महासचिव लख्मी नारायण ने बताया कि सेक्टर 19 ए-682 भूखंड पर तीन मंजिला मकान बना हुआ है। तीसरी मंजिल के तीन कमरों में किराये पर युवतियां रहती हैं।

एक कमरे में लगे विंडो एसी में पड़ोसी को धुआं निकलता दिखा। उन्होंने शोर मचाकर कमरों में रहने वाली युवतियों को अगाह किया और अग्निशमन को आग की सूचना दी। युवतियों व अन्य लोगों के साथ मिलकर आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग फैलती चली गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सुबह करीब 11 बजकर 27 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली।

सोनम वांगचुक को 5 मिनट में कैसे ले गई पुलिस? विपक्ष ने बताया तानाशाही, अन्ना बोले- बातचीत करने में क्या हर्ज है?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेपर लीक के खिलाफ शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगुचक को जबरन जंतर-मंतर से उठाकर अस्पताल में भर्ती कराए जाने की कार्यवाही ने सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

विपक्षी दलों ने इस कार्रवाई को तानाशाही करार देते हुए मोदी सरकार पर लोकतंत्र तथा संविधान की मर्यादा को छिन्न-भिन्न करने का लगाया आरोप।

कांग्रेस और सपा से लेकर विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के तमाम दलों ने कहा कि जंतर-मंतर से महिला पहलवानों को घसीटने से लेकर पूर्व सैनिकों के साथ बदसलूकी करने तक वर्तमान सरकार ने बार-बार लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलते हुए संविधान के प्रति अपना अनादर दिखाया है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वांगचुक को अनशन स्थल से हटाने को पूरी तरह गलत ठहराते हुए कहा कि देश के छात्रों का मुद्दा उठाने वालों को कोई भी ताकत रोक नहीं सकती।

विपक्ष ने सरकार की कार्रवाई को बताया तानाशाही - वांगचुक को शनिवार सुबह जंतर-मंतर से हटाए जाने के खिलाफ चौतरफा उठी आवाजों से खुद को जोड़ते हुए एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, असत्य और हिंसा मोदी सरकार के दो मुख्य सिद्धांत हैं। सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना, जबकि वे अहिंसक भूख हड़ताल पर थे, गलत है।

राम मंदिर चंदा मामले में राहुल-खरगे का पीएम मोदी को पत्र, स्वतंत्र जांच की उठाई मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस नेता ने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने पत्र में लिखा कि जिन लाखों भक्तों ने आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग- लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी, करोड़ों भक्तों ने श्री राम मंदिर में आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की है - वहां दान की चोरी अब किसी से छिपी नहीं है। ट्रस्ट के हर सदस्य को आपकी सरकार ने चुना था। दान की इस चोरी पर आपकी चुप्पी स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, तुरंत निष्पक्ष जांच कराएं, पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक करें और दोषियों को कानून के कटघरे में लाएं। आपकी सरकार की विश्वसनीयता अब आपके कामों पर निर्भर करती है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने भी आज रविवार को एक्स पर लिखा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए क्करूमोदी को हमारा संयुक्त पत्र।

खरगे ने 18 जुलाई को पीएम मोदी को भेजा पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, जिन लाखों भक्तों ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं।

सांवेर के ग्राम धरमपुरी को मिली बड़ी स्वास्थ्य सौगात

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के प्रति व्यक्त किया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सौगात मिली है। राज्य शासन ने ग्राम धरमपुरी स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र का 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के रूप में उन्नयन करने के लिए लगभग 3.25 करोड़ रुपये (सवा तीन करोड़ रुपये) की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत राशि से भवन निर्माण, आवश्यक चिकित्सा उपकरण, फर्नीचर तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित होगा।

जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि आज जगदीशपुर में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में ग्राम धरमपुरी के उप स्वास्थ्य केंद्र को 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नत करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर उल्लेखनीय रूप से बेहतर होगा तथा आमजन, किसानों और ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनने के बाद यहां पूर्णकालिक एमबीबीएस चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना होगी। साथ ही पैथोलॉजी जांच के लिए आवश्यक उपकरणों एवं प्रशिक्षित लैब तकनीशियन की व्यवस्था की जाएगी, जिससे रक्त, मूत्र सहित अन्य आवश्यक जांचें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

श्री सिलावट ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं, एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक औषधियों तथा अन्य जरूरी दवाओं का पर्याप्त भंडारण रहेगा। इसके साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। सुरक्षित संस्थागत प्रसव, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, टीकाकरण तथा नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल जैसी सुविधाएं भी बेहतर रूप से उपलब्ध होंगी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत टीबी, मलेरिया जैसे संक्रामक रोगों तथा उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों की जांच, उपचार एवं नियंत्रण संबंधी गतिविधियों का प्रभावी संचालन भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से किया जा सकेगा। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को आवश्यक जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्राम धरमपुरी इन्दौर-सांवेर-उज्जैन मुख्य मार्ग पर स्थित है। आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के दौरान इस मार्ग से लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को भी त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नर्मदा लाइन में लीकेज से कई इलाकों की जलापूर्ति प्रभावित, निगम आयुक्त ने टैंकर से पानी पहुंचाने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा तृतीय चरण की ग्रेविटी मेन पाइपलाइन में लीकेज और नदी में कचरा आने के कारण प्रभावित हुई जलापूर्ति की स्थिति का जायजा लेने के लिए नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल रविवार सुबह मुसाखेड़ी स्थित स्काडा कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से शहर में पानी की आपूर्ति की जानकारी ली और जिन क्षेत्रों में पानी की टंकियां खाली या कम भरी हैं, वहां टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगम अधिकारियों ने बताया कि 18 जुलाई को नर्मदा तृतीय चरण के 180 एमएलडी प्रोजेक्ट में नदी में कचरा आने से संप का जलस्तर कम हो गया था। इसके साथ ही बड़गोंदा गांव के पास 1200 एमएम व्यास की ग्रेविटी मेन पाइपलाइन में लीकेज की मरम्मत के लिए पंप बंद करने पड़े, जिससे शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हुई।

इसका असर 19 जुलाई की जलापूर्ति पर भी पड़ा। अन्नपूर्णा क्षेत्र की पानी की टंकी पूरी तरह खाली रही, जबकि स्कीम नंबर-103, राज मोहल्ला, छत्रीबाग, सदर बाजार, सुभाष चौक, मल्हार आश्रम, गांधी हॉल, लोकमान्य नगर, द्रविड़ नगर, जिंसी, महाराणा प्रताप नगर, जय हिंद, बाणगंगा, कुशवाह मोहल्ला, नरवल, अगरबत्ती और टिगरिया बादशाह सहित कई क्षेत्रों की टंकियां निर्धारित स्तर से कम भर सकीं।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हुई है, वहां बिना किसी देरी के टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी रखने और स्थिति सामान्य होने तक आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं जारी रखने के निर्देश भी दिए।

अवैध संबंधों के लिए पत्नी ने उजाड़ा अपना ही सुहाग, प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू के बड़गोंदा थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई एक मजदूर की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। शनिवार को पुलिस विभाग द्वारा किए गए आधिकारिक खुलासे में यह बात सामने आई है कि मृतक युवक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर इस पूरी खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था। कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले इस मामले में पुलिस प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। इसके बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया है।

प्रेम संबंध के साथ हुई साजिश की शुरुआत- इस पूरे घटनाक्रम में मारे गए युवक की पहचान मंडलेश्वर क्षेत्र के निवासी 46 वर्षीय राजू बामनिया के तौर पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू की पत्नी आशापुरा क्षेत्र के पास स्थित निसर्ग परिसर में एक निर्माणाधीन फार्म हाउस पर मजदूरी का कार्य करती थी। इसी कार्यस्थल पर काम करने वाले एक अन्य साथी मजदूर के साथ महिला के प्रेम संबंध स्थापित हो गए थे। दोनों के बीच के यह संबंध धीरे-धीरे गहरे होते चले गए, जिसके बाद उन्होंने राजू को अपने रास्ते से हटाने का मन बना लिया था।

पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक राजू अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के अवैध संबंधों के बीच में आ रहा था। इसी कारण से प्रेमी जोड़े ने मिलकर राजू को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की एक सुनियोजित साजिश तैयार की। घटना वाली रात को जब राजू मंडलेश्वर से अपनी पत्नी से मिलने के लिए फार्म हाउस पर पहुंचा, तो वहां पर उसकी पत्नी और उसका प्रेमी पहले से ही मौजूद थे। इसके बाद तीनों ने एक साथ बैठकर मदिरापान किया। इसी दौरान तय योजना के मुताबिक जानबूझकर विवाद खड़ा किया गया और प्रेमी ने पास रखे लोहे के सरिए से राजू के सिर, कनपटी और चेहरे पर एक के बाद एक कई ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई।

इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने के बाद दोनों शातिर आरोपियों ने इसे एक सामान्य हादसे या मौत का रूप देने की नाकाम कोशिश की थी। वारदात के अगले दिन भी दोनों ने सामान्य रूप से शराब का सेवन किया और राजू के शव को फार्म हाउस के समीप ही मौजूद एक नीम के पेड़ के नीचे ले जाकर फेंक दिया।

वर्षा जल संरक्षण पर निगम सख्त, नई इमारतों में रिचार्ज शाफ्ट और ड्यूल पाइप सिस्टम होगा अनिवार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा जल संरक्षण और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम ने नई इमारतों और आवासीय परियोजनाओं में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को अनिवार्य बनाने की दिशा में सख्ती शुरू कर दी है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार को निपानिया स्थित पीनेकल हाउसिंग सोसायटी और देवास नाका चौराहे के पास बनाए गए वाटर रिचार्ज शाफ्ट एवं रिचार्ज पिट का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कहा कि 12.5 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली सभी नई इमारतों और भवनों, जिनमें सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित है, वहां ड्यूल पाइप सिस्टम अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इसके तहत ट्रीट किए गए पानी के उपयोग के लिए अलग फ्लशिंग लाइन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन निर्माण की अनुमति जारी करते समय ही इस व्यवस्था का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि निर्माणाधीन और नए भवनों के परिसर में पर्याप्त संख्या में रिचार्ज शाफ्ट बनाए जाएं। साथ ही छतों पर लगाए गए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पाइप और फिल्टर सिस्टम को सीधे रिचार्ज शाफ्ट से जोड़ा जाए, ताकि वर्षा का पानी जमीन में समाहित होकर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक हो सके।

नगर निगम का मानना है कि इस तरह की व्यवस्थाओं से एक ओर वर्षा जल का संरक्षण होगा, वहीं दूसरी ओर जलभराव की समस्या को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। निगम ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भवन निर्माण की स्वीकृति के दौरान इन प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

भय्यू महाराज की पत्नी आयुषी देशमुख ने यूपी के मौलाना अंसारी के खिलाफ खोला मोर्चा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय संत स्वर्गीय भय्यू महाराज की पत्नी डॉ. आयुषी देशमुख एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने उत्तर प्रदेश के एक मौलाना के कथित बयान को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने मौलाना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

डॉ. आयुषी देशमुख ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी धर्म, देवी-देवताओं या करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और सनातन परंपराओं को लेकर लगातार विवादित टिप्पणियां की जा रही हैं, जिससे करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में केवल बयानबाजी या माफी पर्याप्त नहीं है, बल्कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसी मांग को लेकर डॉ. आयुषी देशमुख ने इंदौर के हीरा नगर थाना पुलिस को आवेदन सौंपा है।

आवेदन में उन्होंने मौलाना जर्जिस अंसारी के कथित बयान का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इससे सनातन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह के बयान धार्मिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं और समाज में तनाव की स्थिति पैदा कर सकते हैं।डॉ. आयुषी देशमुख ने कहा कि जो लोग भगवान श्रीराम के वंशजों या सनातन परंपराओं पर सवाल उठाते हैं, उन्हें पहले तथ्यों और प्रमाणों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

24 घंटे में हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, तीसरे की तलाश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमआईजी थाना पुलिस ने युवक पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और डंडा भी बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 17 जुलाई 2026 को फरियादी निखिल पाटिल अपनी ड्यूटी समाप्त कर सत्य साईं चौराहे से मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। तड़के करीब 4 बजे बर्फानी धाम पानी की टंकी के पास सड़क पर पड़ी ईंट हटाने के लिए जैसे ही वह रुका, तभी सामने से मोटरसाइकिल पर आए तीन युवकों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपियों में से एक ने डंडे से उसके चेहरे पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

फरियादी की शिकायत पर एमआईजी थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देश पर डीसीपी जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह और एसीपी हिमानी मिश्रा के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई।

थाना प्रभारी सीबी सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी फुटेज, आरोपियों के हुलिए और कपड़ों के आधार पर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों गौतम बिल्लौरे (19) और अरुण बनिया (19), दोनों निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी, को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपी शुभम रोकड़े की तलाश जारी है और पुलिस ने उसे भी जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

इस कार्रवाई में एएसआई आनंद कुमार, प्रधान आरक्षक प्रदीप पांडे, राजकुमार चौबे, राजू दवाणे, प्रवीण पंवार तथा आरक्षक कपिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर से मांडव तक गूंजा नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश, 210 से ज्यादा कार-बाइक्स की जागरूकता रैली निकली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत रविवार को इंदौर से मांडव तक भव्य कार और बाइक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अभियान में श्याम टाटा मोटर्स, विभिन्न कार एवं बाइकर्स ग्रुप और सैकड़ों युवाओं ने भाग लेकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

रैली को पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश दंडोतिया सहित पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

रैली में 110 से अधिक कारें, 100 से ज्यादा स्पोर्ट्स बाइक और करीब 750 प्रतिभागी शामिल हुए। यह रैली श्याम टाटा मोटर्स, बिचौली मर्दाना से शुरू होकर वर्ल्ड कप चौराहा, गीता भवन, रीगल चौराहा, राजवाड़ा, गंगवाल बस स्टैंड और धार रोड होते हुए मांडव पहुंची।

पूरे मार्ग में वाहनों पर लगाए गए पोस्टर, बैनर और जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों से ड्रग्स और अन्य नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई। रास्ते में मौजूद नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए अभियान के प्रति सकारात्मक समर्थन जताया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, संस्थाओं और युवाओं को जोड़कर जन-जागरूकता बढ़ाई जा रही है। अभियान का उद्देश्य नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करना और Say No to Drugs का संदेश जन-जन तक पहुंचाकर नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज का निर्माण करना है।

इंदौर में कचरा फैलाया तो भारी पड़ेगा, नए नियम लागू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार के नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 को जिले में लागू कर दिया गया है। अगले 15 महीनों में चरणबद्ध तरीके से लागू होने वाली इस नई व्यवस्था के तहत अब केवल व्यावसायिक संस्थानों ही नहीं, बल्कि बड़ी आवासीय कॉलोनियों और टाउनशिप को भी कड़े नियमों का पालन करना होगा। कचरा प्रबंधन में लापरवाही या नियमों के उल्लंघन पर 150 प्रतिशत तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति वसूली जाएगी। पूरी व्यवस्था की डिजिटल ट्रैकिंग होगी और इसकी निगरानी सीधे कलेक्टर तथा नगर निगम आयुक्त के स्तर पर की जाएगी। इन संस्थानों को माना जाएगा बल्क वेस्ट जेनरेटर- नगर निगम ने कचरा उत्पादन की क्षमता के आधार पर तीन प्रमुख मानक तय किए हैं। जिन संस्थानों का निर्मित क्षेत्र 20 हजार वर्ग मीटर से अधिक होगा, जो प्रतिदिन 40 किलोलीटर या उससे अधिक पानी का उपयोग करेंगे अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न करेंगे, उन्हें 'बल्क वेस्ट जेनरेटर' की श्रेणी में रखा जाएगा। इसमें होटल, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और आवासीय टाउनशिप शामिल होंगी।

इंदौर-खंडवा राजमार्ग की निर्माणाधीन सुरंग से निकलने को लेकर ग्रामीणों ने किया विवाद, गेट पर लगा ताला तोड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-खंडवा राजमार्ग पर निर्माणाधीन सुरंग से गुजरने की लोगों की जल्दबाजी अब चिंता बढ़ा रही है। शनिवार को चोरल सुरंग में करीब 500 मीटर लंबी सुरंग बनी रही है। यहां निर्माण एजेंसी ने सुरक्षा के लिए सुरंग के दोनों ओर बैरिकेड व गेट लगा रखे है। यहां तक कि सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए है।

वाहन चालक जबरन सुरंग में घुसने की कोशिश कर रहे हैं- मगर शनिवार को ग्रामीणों ने निर्माणाधीन सुरंग से गुजरने को लेकर जमकर विवाद किया। ताला तोड़ने के अलावा सुरक्षाकर्मी से भी विवाद किया है। वहीं कुछ वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए जबरन सुरंग में घुसने की कोशिश कर रहे हैं।

महीनेभर पहले भी हुआ था विवाद- महीनेभर पहले भी निर्माणधीन सुरंग से गुजरने को लेकर ग्रामीणों और मेघा इंजीनियर के कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ। तीन किलोमीटर का चक्कर बचाने के चलते ग्रामीण यहां से निकल रहे है। घटना के बाद निर्माण एजेंसी ने सुरंगों के दोनों तरफ गेट लगा दिया। शनिवार शाम चार बजे ग्रामीण विवाद करने पहुंचे।

वाहन चालकों ने बैरिकेड व गेट तोड़ने का प्रयास किया- लोगों ने सुरंग से निकलने के लिए सुरक्षाकर्मियों से बहस की। कुछ वाहन चालकों ने बैरिकेड व गेट तोड़ने का प्रयास किया।

कनाड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8 पेटी अवैध शराब और इलेक्ट्रिक ऑटो के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस के ÷नशे से दूरी है जरूरी 2.0÷ अभियान के तहत थाना कनाड़िया पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 8 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर सहित करीब 72.93 लीटर शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त इलेक्ट्रिक ऑटो जब्त किया है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी के निर्देश पर अवैध शराब के परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह और एसीपी आशीष पटेल के निर्देशन में कनाड़िया पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक इलेक्ट्रिक ऑटो में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब लेकर दो व्यक्ति फीनिक्स मॉल की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने नियोन पांडा गेम जोन के पास घेराबंदी कर ऑटो को रोक लिया। तलाशी के दौरान ऑटो में रखे कार्टनों से 8 पेटी अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगदीश वर्मा (60), निवासी ग्राम कनाड़िया और हरदेव सिंह परमार (29), मूल निवासी भिंड, हाल निवासी स्कीम नंबर-134 इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 70 हजार रुपये कीमत की अवैध शराब और लगभग 5 लाख रुपये कीमत का इलेक्ट्रिक ऑटो जब्त किया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से बरामद शराब के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि

प्रधानमंत्री फसल बीमा के अंतर्गत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की।

किसान भाई निर्धारित तिथि से पहले फसलों का बीमा करायें- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया- किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- मैं मुंह पर बोलता हूं, किसी को बुरा लगे तो लगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेबाक अंदाज के लिए हमेशा चर्चा में रहने वाले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के एक कार्यक्रम में कहा, मैं मुंह पर बोलता हूं, किसी को बुरा लगे तो लगे। सत्तर साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं। किसी को बुरा लगे तो लगे, अपने को क्या फर्क पड़ता है।

वे जब यह बात बोल रहे थे, तब मंच पर मेयर पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। विजयवर्गीय के इस बयान के लोग राजनीतिक मायने निकाल रहे हैं। पिछले दिनों मंच से ही विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री के सामने मेयर पुष्यमित्र भार्गव से कहा था, आजकल आप काफी व्यस्त रहने लगे हो। हमारी बैठकों में भी नहीं आ रहे हो। इसके अलावा उन्होंने लव जिहाद, नशे और सामाजिक बुराइयों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

अहिल्या आश्रम में बने पीएम राइज स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजयवर्गीय ने यह बात कही। उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी लड़के से दोस्ती सोच-समझकर करना जरूरी है।

गांधी चौराहा गैरेज की भूमि पर बैंक भवन निर्माण के आदेश पर कार्यवाही हो-विजय गुर्जर

तत्कालीन कलेक्टर गौतम सिंह ने वर्ष 2022 में किया था प्रशासक संकल्प आदेश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर गांधी चौराहा स्थित गेरेज की भूमि पर लीज समाप्त होने और भूमि पर अनुमति के विपरीत अवैध निर्माण होने पर लगातार वर्ष 2012 से कार्यवाही की मांग किये जाने के परिणाम स्वरुप दस वर्ष के संघर्ष के बाद वर्ष 2022 में जिला कलेक्टर और नगरपालिका मंदसौर प्रशासक गौतम सिंह ने इस भूमि को 2022 में नगर पालिका के कब्जे में लिया। इस कार्यवाही के बाद इस भूमि पर पूर्ण रूप से नगर पालिका का आधिपत्य हो गया है आधिपत्य होने के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी इस भूमि का राजस्व प्राप्ति हेतु उपयोग नहीं हो पा रहा है इस संबंध में पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने कलेक्टर अदिति गर्ग से कार्यवाही हेतु मांग की है।

विजय गुर्जर ने जिला कलेक्टर अदिति गर्ग से कार्यवाही की मांग करते हुए बताया है कि नगर पालिका की गांधी चौराहा स्थित भूमि की लीज समाप्त होने से कब्जा प्राप्त करने हेतु दल गठित किया था इस गठित दल ने 2 फरवरी 2022 को उक्त भूमि पर नगर पालिका का कब्जा प्राप्त कर लिया था साथ ही तत्कालीन कलेक्टर और नगर पालिका प्रशासक गौतम सिंह ने प्रशासक संकल्प क्रमांक 231 दिनांक 4 अगस्त 2022 में यह आदेश किया था कि उक्त स्थल पर नवीन कार्य योजना तैयार करने संबंधी प्रकरण प्रस्तुत हुआ अवलोकन किया मास्टर प्लान में उल्लेखित निर्देशों के तहत सार्वजनिक सेवाओं के अनुसार 4 + 2 का बैंक भवन हेतु रुपए 35.31 लाख की कार्य योजना तैयार की गई है उक्त स्थल पर मास्टर प्लान में उल्लेखित निर्देशों के तहत सार्वजनिक सेवाओं के लिए बैंक भवन बनाए जाने एवं प्रकरण राशि 35.51 की प्रशासकीय स्वीकृति की जाती है नगर पालिका अधिनियम में दिए गए प्रावधानों के तहत उक्त संकल्प को पारित किया गया है साथ ही जो वर्तमान में गैरेज की भूमि पर अवैध दुकानें निर्मित है उसे तोड़ने के आदेश भी जारी किए गए थे किंतु लंबा समय बीत जाने के बाद भी इस शहर हितैषी कार्य पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। अंत में विजय गुर्जर ने जिला कलेक्टर अदिति गर्ग से मांग करी है कि शहर हित में लगातार कई वर्षों तक संघर्ष करने के बाद उक्त भूमि को भू माफियाओं से मुक्त कराकर नगरपालिका द्वारा कब्जा प्राप्त किया गया है अब इस भूमि का उपयोग नगर पालिका का राजस्व बढ़ाने हेतु किए जाने के आदेश जो कई समय पूर्व हो चुके है उनका पालन करा कर नगर पालिका के राजस्व में वृद्धि करने के संबंध में कार्यवाही करे।

गौरक्षा विभाग द्वारा खनिज अधिकारी भावना सेंगर को दी विदाई, नवागत अधिकारी का किया अभिनंदन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौरक्षा विभाग द्वारा मंदसौर की प्रभारी जिला खनिज अधिकारी रही भावना सेंगर को मंदसौर में एक कार्यक्रम में विदाई दी गई, साथ ही उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया।

18 जुलाई रात्रि 8 बजे से 11ः30 बजे तक मंदसौर-नीमच हाईवे सड़क मार्ग पर निर्वान होटल में विदाई समारोह का कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें गौरक्षा विभाग के बैनर तले धर्मवीर राष्ट्रीय अध्यक्ष परम आदरणीय डॉ. भंवर सिंह चौधरी के राष्ट्रीय गौरक्षा विभाग से राष्ट्रीय उपाअध्यक्ष मुकेश शर्मा झिरकन निवासी के नेतृत्व में संभाग अध्यक्ष ईश्वर सिंह जी सिसोदिया, प्रदेश मीडिया उप प्रभारी मनोज परिहार, महिला संभाग अध्यक्ष रामकन्या मालवीय द्वारा खनिज विभाग की मंदसौर जिला अधिकारी भावना सेंगर के मंदसौर जिले से विदाई समारोह कार्यक्रम में पुष्प मालाओं के साथ भव्य रूप से स्वागत किया गया। इसके पश्चात नवागत खनिज विभाग के अधिकारी अनुराग द्विवेदी का भी स्वागत राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मवीर डाक्टर भंवर सिंह चौधरी के संगठन के पद अधिकारी ने राष्ट्रीय उपाअध्यक्ष मुकेश शर्मा के नेतृत्व में निर्वान होटल में पुष्प मालाओं के साथ अभिनंदन किया गया।

अमानक उर्वरक बेचने पर कंपनी सहित दो के खिलाफ प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाना पुलिस ने अमानक उर्वरकों के संबंध में सर्टिफिकेट कंपनी और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना माह कृष्णा फर्टिलाइजर की दुकान भानपुरा में 6 जून को हुई। मामले में सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड भानपुरा ने शिकायत दर्ज कराई। कि आरोपी विष्णुप्रसाद पिता जगदीशचंद्र गायरी निवासी एवं फर्टिलाइजर प्रा. लि. सूरत गुजरात के द्वारा 36 बैग उर्वरक वजन 50 किलो तथा कुल वजन 1800 किलो है।

मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा का लाभ नीमच तक मिले, पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने उठाई मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में अगले माह से शुरू होने जा रही मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा का लाभ नीमच जिले तक भी पहुंचाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि मंदसौर तक प्रस्तावित बस सेवाओं का विस्तार नीमच तक किया जाए, ताकि जिले के लोगों को भी इस योजना का पूरा लाभ मिल सके। डॉ. जाजू ने कहा कि इंदौर संभाग से शुरू होने वाली इस योजना के तहत इंदौर से मंदसौर संसदीय क्षेत्र के मंदसौर, नीमच और मनासा सहित कई क्षेत्रों को जोड़ने की योजना है। उन्होंने कहा कि नीमच में पहले से ही मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम का पूर्ण विकसित बस डिपो, बस स्टैंड, वर्कशॉप, पेट्रोल पंप और कर्मचारियों के आवास जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। ऐसे में बस सेवाओं का विस्तार नीमच तक करना पूरी तरह व्यावहारिक और जनहित में होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान प्रस्तावों में इंदौर से मनासा और इंदौर संभाग के अन्य जिलों से मंदसौर तक बस सेवाएं शुरू करने की बात है। यदि इन बसों को नीमच तक बढ़ाया जाता है, तो जिले के हजारों यात्रियों के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के विधानसभा क्षेत्र पिपलिया, मल्हारगढ़ और आसपास के सैकड़ों गांवों के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। पूर्व विधायक ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री के समक्ष इस मांग को मजबूती से रखें, ताकि मंदसौर तक प्रस्तावित बस सेवाओं का विस्तार नीमच तक करने के आदेश जारी हो सकें। उन्होंने कहा कि अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिले के जनप्रतिनिधि इस जनहित की मांग को कितनी गंभीरता से उठाते हैं और नीमच को मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए क्या प्रयास करते हैं।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0: ग्राम चचोर में पुलिस ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ, युवाओं से किया जागरूक रहने का आह्वान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 के तहत रविवार को रामपुरा तहसील के ग्राम चचोर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी निलेश सोलंकी ने बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है तथा परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई और स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशे के प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन एवं एसडीओपी शबेरा अंसारी के मार्गदर्शन में में चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं और आमजन में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण करना है। नीमच पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें, स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 स्वस्थ युवा, सुरक्षित समाज और सशक्त राष्ट्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

धारा 49 (6) समाप्त पर पेंशनर महासंघ ने पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया का किया जोरदार स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 (6) का पेंशनरों के संबंध में दोनों राज्यों की सहमति लेने की बाध्यता को मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा समाप्त किए जाने के निर्णय का सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ ने स्वागत किया है। संगठन ने इस निर्णय हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं विशेष रूप से मंदसौर के पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया का आभार प्रकट किया है।

संगठन के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला मंदसौर जिला संयोजक बी.एस. सिसोदिया, नंदकिशोर राठौर, कन्हैयालाल सोनगरा, शक्ति वर्मा, दिनेश धनोतिया, देवीलाल शर्मा, कैलाश सोनी, नरेंद्र सिंह राणावत, कैलाश पुरोहित, आर.सी. पांडे, राजेंद्र सिंह पंवार, देवकीनंदन पालरिया, दिनेश पंवार, बाबूलाल धोरेचा, चंद्रकुमार बिश्नोई, रसिक बिहारी चौहान, अशोक गुप्ता, टाली राम बिसेन, विक्रम सिंह भाटी ने श्री यशपालसिंह सिसोदिया के निवास पर पहुंचकर इस उपलब्धि के लिए विशेष रूप से उनकी दिनांक 23 सितंबर 2021 को विधानसभा में अशासकीय संकल्प पारित किए जाने की सक्रिय पहल के लिए आपका आभार माना है और सभी ने पुष्पहारों से आपका स्वागत किया है। इस अवसर पर श्री सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के 4 लाख से अधिक एवं छत्तीसगढ़ के 2 लाख से अधिक पेंशनर्स के हित में एक बड़ा और ऐतिहासिक और निर्णय हुआ है अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ महंगाई राहत प्रदान करने का निर्णय स्वतंत्र रूप से ले सकेंगे। इस महत्वपूर्ण व्यवस्था से महंगाई राहत में अनावश्यक विलंब समाप्त होगा और मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पेंशनरों एवं उनके परिवारों को समय पर इसका लाभ मिल सकेगा, मैंने अपने विधायक कार्यकाल में आशासकीय संकल्प के माध्यम से विधानसभा में 23 दिसंबर 2021 को इस विषय को रखा था। उसी के तारतम में आज इस महत्वपूर्ण निर्णय हेतु मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा का भी मैं आभार प्रकट करता हूं।

इस अवसर पर विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि संगठन के पदाधिकारी ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के प्रमुख सचिवों से भेंट कर धारा 49 (6) को हटाने के लिए अनुरोध किया था जिसमें नरेंद्र सिंह तोमर के द्वारा विशेष सहयोग से संगठन का यह प्रयास सफल रहा इसलिए संगठन श्री तोमर साहब का भी विशेष रूप से आभारी रहेगा।

महंत पर हमले के आरोप से भड़का संत समाज, जावद बस स्टैंड पर चक्काजाम

मोहनलाल प्रजापत सहित अन्य की गिरफ्तारी की मांग, पुलिस-प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोरक्षनाथ आश्रम के महंत मौजनाथ उर्फ सुखलाल के साथ हुई कथित मारपीट और मठ की भूमि पर कब्जे के प्रयास के आरोपों को लेकर रविवार को संत समाज सड़क पर उतर आया। बड़ी संख्या में संतों और उनके समर्थकों ने जावद बस स्टैंड पर सड़क पर बैठकर चक्काजाम किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश पर चक्काजाम समाप्त किया गया।

मौके पर थाना प्रभारी मनोज सिंह जादौन सहित पुलिस बल तैनात रहा। बाद में संत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओपी हर्ष राठौड़, थाना प्रभारी मनोज सिंह जादौन एवं तहसीलदार बी.के. मकवाना को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में लगाए गंभीर आरोप- संत समाज द्वारा दिए गए ज्ञापन में मंशापूर्ण व्यायामशाला के उस्ताद मोहनलाल प्रजापत को मुख्य आरोपी बताते हुए जोगेंद्र शर्मा, कालू करवाड़िया, नारायण सोमानी, रमेश गाड़ोलिया के दोनों पुत्रों सहित अन्य लोगों के नाम शामिल किए गए हैं।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 17 जुलाई की सुबह करीब 9 बजे आश्रम में पूजा-पाठ कर रहे महंत मौजनाथ उर्फ

सुखलाल पर कथित रूप से जानलेवा हमला किया गया। संत समाज का दावा है कि हमलावरों ने महंत के बाल पकड़कर उन्हें घसीटा, लोहे के पाइप और लकड़ियों से मारपीट की तथा गंभीर चोटें पहुंचाई। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि हमले के दौरान महंत को जान से मारने की धमकियां दी गईं।

पहले भी विवाद और तोड़फोड़ का आरोप- ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 14 जुलाई की रात भी आश्रम परिसर में गाली-गलौज और तोड़फोड़ की घटना हुई थी। संत समाज का आरोप है कि उस समय भी विवाद को शांत कराया गया था, लेकिन तीन दिन बाद दोबारा हमला कर दिया गया। संतों का कहना है कि यदि समय पर आश्रम के सेवक और श्रद्धालु नहीं पहुंचते तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

मठ की जमीन हड़पने का प्रयास करने का आरोप- संत समाज ने आरोप लगाया है कि पूरा विवाद मठ और आश्रम की भूमि से जुड़ा हुआ है तथा कुछ लोग जमीन पर कब्जा करने की मंशा से संतों को परेशान कर रहे हैं। ज्ञापन में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। साथ ही आश्रम की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संत मौजनाथ की जान-माल की रक्षा के लिए प्रशासन से विशेष व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया गया है।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन होगा तेज- संत समाज ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों के खिलाफ शीघ्र और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। संतों का कहना है कि प्रदेशभर के संत समाज को इस मामले से अवगत कराया जा रहा है और आवश्यकता पड़ने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पुलिस कर रही जांच - उल्लेखनीय है कि इस मामले में दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों पर क्रॉस प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की शिकायत पर कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई, दो विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबन एवं निरस्तीकरण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ क्षेत्र में किसानों द्वारा सोयाबीन एवं मूंगफली के बीजों के अपेक्षित अंकुरण नहीं होने संबंधी शिकायतें प्राप्त होने पर कृषि विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच एवं निरीक्षण की कार्रवाई की गई। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महेश पाटीदार द्वारा संबंधित कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर उपलब्ध अभिलेखों एवं रिकॉर्ड का परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान गुरु कृपा कृषि सेवा केंद्र, सीतामऊ तथा महावीर खाद बीज भंडार, सीतामऊ में कृषि आदान व्यवसाय संचालन संबंधी विभिन्न गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में पंजीयन प्रमाणपत्र निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित नहीं होना, स्टॉक एवं भाव सूची का प्रदर्शन नहीं करना, स्टॉक रजिस्टर का समुचित संधारण नहीं किया जाना, कृषकों को निर्धारित प्रारूप में बिल जारी नहीं करना तथा आवश्यक अभिलेख एवं रिकॉर्ड का संधारण नहीं किया जाना पाया गया। उक्त अनियमितताएं कृषि आदान नियंत्रण संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन हैं। जांच प्रतिवेदन एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर गुरु कृपा कृषि सेवा केंद्र, सीतामऊ के बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक व्यवसाय से संबंधित लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। वहीं महावीर खाद बीज भंडार, सीतामऊ के उर्वरक एवं कीटनाशक लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि बीज व्यवसाय का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं नियमों के पालन के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिले में कृषि आदान विक्रेताओं का निरीक्षण अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक क्रय करें, प्रत्येक खरीद पर पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें तथा बीज की टैग, रसीद एवं पैकेट को सुरक्षित रखें। यदि किसी भी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी समस्या अथवा अनियमितता की जानकारी प्राप्त होती है तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम कृषि कार्यालय को दें, ताकि समय पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

रतनगढ़ पुलिस का तस्करों पर शिकंजा, 120 किलो डोडाचूरा के साथ आरोपी गिरफ्तार

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत नीमच पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 120 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल, एसडीओपी जावद हर्ष राठौड़ के मार्गदर्शन में थाना रतनगढ़ प्रभारी मुरालाल भाभर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 18 जुलाई 2026 को पुलिस चौकी डीकेन द्वारा थाना रतनगढ़ क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मारुति सुजुकी एस-प्रेसो (क्रमांक MP/RJ26BU 3567) को रोका गया। तलाशी लेने पर कार में रखे 7 प्लास्टिक कट्टों से 120 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने देवेंद्र सिंह पिता लाखन सिंह सोलंकी (22) निवासी ग्राम रिछाचांदा, थाना रिंगनोद, जिला रतलाम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जब्त डोडाचूरा की अनुमानित कीमत 18 लाख रुपये तथा तस्करी में प्रयुक्त कार की कीमत 3 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई में थाना रतनगढ़ एवं पुलिस चौकी डीकेन की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अफीम किसानों की हुंकार, मूल्य वृद्धि, सीपीएस पद्धति समाप्त करने सहित इन पांच सूत्रीय मांगों को लेकर देंगे गिरफ्तारी, मालवा-मेवाड़ के किसानों ने बैठक में बनाई 10 अगस्त की रणनीति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा-मेवाड़ अंचल के अफीम किसानों ने एक बार फिर अपनी वर्षों पुरानी मांगों को लेकर संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है। पुरानी कृषि उपज मंडी नीमच में आयोजित अफीम किसान संघर्ष समिति मालवा-मेवाड़ की महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेते हुए अफीम के समर्थन मूल्य में वृद्धि, सीपीएस (कंसन्ट्रेट ऑफ पॉपी स्ट्रॉ) पद्धति को समाप्त करने, निरस्त किए गए अफीम पट्टों की बहाली तथा मॉर्फीन कंटेंट आधारित नीति में बदलाव सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 10 अगस्त को देशभर के अफीम किसान गिरफ्तारी देकर व्यापक आंदोलन का आगाज करेंगे।

चित्तौड़गढ़ की धरती पर मोदी ने दिया था आश्वासन- बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि वर्ष 2013 में चित्तौड़गढ़ की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आज भी अफीम किसान अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष करने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम मूल्य की बात कही जाती है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा है। किसानों ने मांग की कि घोषित मूल्य का पूरा लाभ सीधे किसानों को सुनिश्चित किया जाए।

धारा 8/29 के दुरुपयोग का लगाया आरोप- किसानों ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 को लेकर भी गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि इसका दुरुपयोग कर किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि नामांतरण की प्रक्रिया को राजस्व अभिलेखों के अनुरूप सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए तथा किसानों के विरुद्ध की जा रही अनावश्यक कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। बैठक में नारकोटिक्स विभाग के कुछ अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी की गई।

भविष्य में अफीम की खेती निजी कंपनियों के हाथों में जाने की आशंका- अफीम किसान नेताओं ने सीपीएस पद्धति का विरोध करते हुए कहा कि इससे भविष्य में अफीम की खेती निजी कंपनियों के हाथों में जाने की आशंका है, जिससे परंपरागत अफीम किसानों के हित प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को परंपरागत अफीम खेती को संरक्षण देते हुए सीपीएस पद्धति को पूर्ण रूप से समाप्त करना चाहिए। किसानों का मानना है कि यह व्यवस्था भविष्य में खेती के निजीकरण का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

मॉर्फीन कंटेंट को पट्टा जारी करने का आधार बनाना न्यायसंगत नहीं- बैठक में मॉर्फीन कंटेंट आधारित नीति को भी किसानों के लिए अव्यावहारिक बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की गई। किसान नेताओं ने कहा कि किसी खेत में उत्पादित अफीम में मॉर्फीन की मात्रा प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है, जिस पर किसान का पूर्ण नियंत्रण नहीं होता। ऐसे में मॉर्फीन कंटेंट को पट्टा जारी करने का आधार बनाना न्यायसंगत नहीं है। इसके स्थान पर औसत (एवरेज) आधारित व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

अफीम किसानों ने उठाई ये मांगें- किसानों ने वर्ष 1997-98 से निरस्त किए गए अफीम पट्टों सहित पात्र किसानों को शून्य प्रतिशत औसत के आधार पर पुनः पट्टे जारी करने की मांग भी उठाई। साथ ही अफीम तौल प्रक्रिया के दौरान किसानों को आने वाली समस्याओं के समाधान एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई।

10 अगस्त को देशभर के अफीम किसान देंगे गिरफ्तारी- बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सरकार किसानों की मांगों पर विचार नहीं करती है तो 10 अगस्त को देशभर के अफीम किसान गिरफ्तारी देकर लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएंगे। इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। अफीम किसान संघर्ष समिति मालवा-मेवाड़ की इस बैठक में क्षेत्र के अनेक किसान नेताओं एवं अफीम उत्पादकों ने भाग लेकर एकजुटता का संदेश दिया तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को जारी रखने का संकल्प लिया।

सुश्री अंतिम भार्गव पटवारी संघ जिला अध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पटवारी संघ की जिला शाखा मंदसौर में संगठनात्मक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से नई नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांताध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल ने आदेश जारी करते हुए सुश्री अंतिमा भार्गव पटवारी तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर को मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला शाखा मंदसौर का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, वर्तमान जिलाध्यक्ष का कार्यकाल पूर्ण होने एवं पद रिक्त होने की स्थिति में संघ के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए आगामी जिला चुनाव संपन्न होने तक यह नियुक्ति की गई है। सुश्री अंतिमा भार्गव आगामी चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक कार्यवाहक जिलाध्यक्ष के रूप में संगठन से जुड़े सभी कार्यों का संचालन एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगी। यह नियुक्ति आदेश 19 जुलाई 2026 से प्रभावी है। आदेश की प्रतिलिपि जानकारी हेतु कलेक्टर मंदसौर एवं पुलिस अधीक्षक मंदसौर को भी प्रेषित की गई है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने विश्वास व्यक्त किया है कि सुश्री अंतिमा भार्गव के नेतृत्व में जिला शाखा की संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा आगामी चुनाव तक संघ के कार्य सुचारु रूप से संचालित होते रहेंगे।

सम्पादकीय

धरती की कोख उजाड़कर कितने दिन चमकेगा सोने का वैभव?

सोने का भाव जितनी ऊंचाई छू रहा है, धरती उतनी ही गहराई में धंस रही है। वित्तीय बाजार इसे सुरक्षित निवेश का स्वर्णकाल मान रहे हैं, जबकि प्रकृति इसे अपने अस्तित्व का काला अध्याय। तिजोरियां भर रही हैं, लेकिन नदियां विष से, जंगल वीरानी से और आदिवासी अंचल भय से भर रहे हैं। कभी वैभव, विश्वास और स्थिरता का प्रतीक रही यह पीली धातु आज पर्यावरणीय संहार, संगठित अपराध और वैश्विक अस्थिरता की नई मुद्रा बन चुकी है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बाजार सोने का मूल्य चुकाता है, उसकी पर्यावरणीय कीमत नहीं। हर बढ़ता भाव किसी जंगल की हरियाली, किसी नदी की निर्मलता और किसी समुदाय के भविष्य को गिरवी रखकर हासिल हो रहा है।

उन्नीसवीं सदी की गोल्ड रश अवसरों की कहानी थी, इक्कीसवीं सदी की यह स्वर्ण-दौड़ अस्तित्व का संकट है। सोने की ऊंची कीमतों ने लघु स्वर्ण खनन (आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग) को अभूतपूर्व रफ्तार दे दी है। छोटे और अवैध खनिक अब केवल धरती की छाती नहीं चीर रहे, पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर शिकंजा कस रहे हैं। घाना, अमेज़न, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कई इलाकों में जंगल ऐसे उजाड़े जा रहे हैं, मानो वे धरती के फेफड़े नहीं, लालच के रास्ते की बाधा हों। खनन अब उद्योग नहीं, प्रकृति पर संगठित डकैती है। जहां कभी पक्षियों का कलरव था, वहां अब मशीनों का शोर और विस्फोट हैं।

इस विनाश की सबसे भयावह तस्वीर नदियों में दिखाई देती है। सोना निकालने की सबसे सस्ती तकनीक–पारा (मरकरी) और सायनाइड–आज भविष्य की सबसे महंगी कीमत वसूल रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया में मरकरी प्रदूषण का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा केवल आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग (एएसजीएम) से आता है। हर वर्ष 800 टन से अधिक पारा हवा और जल स्रोतों में घुलकर मछलियों के जरिए पूरी खाद्य श्रृंखला में फैलता है तथा बच्चों के मस्तिष्क विकास पर स्थायी चोट करता है। घाना इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है, जहां लगभग 60 प्रतिशत जल स्रोत दूषित हो चुके हैं और अनेक नदियां पीने योग्य नहीं रहीं। यह केवल जल प्रदूषण नहीं, मानव सभ्यता की जीवनरेखा में घोला जा रहा धीमा ज़हर है।

यह केवल पर्यावरण का नहीं, संगठित अपराध के फैलते साम्राज्य का भी वृत्तांत है। अमेज़न के जंगलों में स्वर्ण खनन अब ड्रग कार्टेलों और अपराधी गिरोहों का नया अड्डा बन चुका है। अनेक क्षेत्रों में इसका मुनाफा कोकीन के कारोबार से भी अधिक माना जा रहा है। चीनी अपराधी नेटवर्क ÷फ्लाइंग मनी÷ के जरिए सोने का इस्तेमाल अवैध वस्तुओं के विनिमय और काले धन के लेन-देन में कर रहे हैं। नतीजा यह है कि वहां केवल जंगल ही नहीं उजड़ रहे, कानून का राज भी मिटता जा रहा है। जैव विविधता सिमट रही है, आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं और हिंसा जीवन की सामान्य सच्चाई बनती जा रही है। ब्राजील के मुंडुरुकु आदिवासी क्षेत्र में खनन थमने के बाद भी स्वास्थ्य संकट कायम है। संदेश साफ है–खदानें बंद हो सकती हैं, लेकिन प्रकृति और समाज पर पड़े उनके घाव पीढ़ियों तक नहीं भरते। यह मानना भूल होगी कि यह संकट केवल अमेज़न या अफ्रीका तक सीमित है। भारत में कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अवैध स्वर्ण खनन तेजी से समानांतर अर्थव्यवस्था का रूप ले रहा है। सरकारी राजस्व लूट रहा है, वन सिकुड़ रहे हैं और नदियां ज़हर निगल रही हैं। यहां भी पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल मछलियों, खेती और ग्रामीण स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत चढ़ते ही स्थानीय जंगलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। वैश्वीकरण का यही कठोर सच है कि लंदन और न्यूयॉर्क के निवेशकों का मुनाफा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों की कीमत पर लिखा जा रहा है।

सबसे बड़ा भ्रम यही है कि सोना आज भी केवल आभूषण या निवेश है। सच यह है कि वह अब भू-राजनीति, प्रतिबंधों से बच निकलने, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वित्तपोषण का भी सशक्त माध्यम बन चुका है। विकसित देशों के बाजारों तक पहुंचने वाला सोना अपने पीछे छूटे विनाश के निशान साथ नहीं ले जाता। शायद ही किसी उपभोक्ता को पता हो कि उसकी उंगली में चमकती एक साधारण शादी की अंगूठी के पीछे लगभग 20 टन जहरीला खनन अपशिष्ट छिपा है। बाजार धातु की शुद्धता तो परखता है, लेकिन उसके उत्पादन की नैतिकता पर चुप्पी साध लेता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है–मुनाफा कुछ हाथों में सिमटता है, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी पृथ्वी चुकाती है।

समाधान केवल अवैध खनन पर छापेमारी में नहीं, बल्कि वैश्विक जवाबदेही में है। पारा-मुक्त तकनीकों को बढ़ावा देना होगा, छोटे खनिकों के लिए वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को पारदर्शी बनाना होगा, ताकि बाजार तक पहुंचने वाले हर ग्राम सोने की पूरी यात्रा दर्ज रहे। जब तक दुनिया केवल हॉलमार्क देखेगी और उसके पर्यावरणीय पदचिह्न नहीं पूछेगी, तब तक यह संकट थमेगा नहीं। विकास का अर्थ प्रकृति की कीमत पर समृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों और संवेदनाओं के बीच संतुलन है। प्रकृति कभी अदालत नहीं लगाती, वह केवल अपना फैसला सुनाती है। अब फैसला हमें करना है–सोना बचाना है या धरती। क्या चमकती धातु के लिए हम पृथ्वी की धड़कनें गिरवी रखते रहेंगे? आने वाली पीढ़ियों को विरासत में स्वर्ण भंडार चाहिए या स्वच्छ नदियां, जीवित जंगल और सुरक्षित भविष्य?

सहजयोग : आत्मसाक्षात्कार से धर्म की स्थापना का महायोग

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहजयोग ध्यान मनुष्य को बाह्य भौतिक आकर्षणों से ऊपर उठाकर उसके वास्तविक आत्मस्वरूप का साक्षात्कार कराने का सरल एवं सहज मार्ग प्रदान करता है। सामान्यतः हमारी पंच ज्ञानेंद्रियाँ केवल बाहरी संसार का अनुभव कराती हैं, किंतु आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना, शांति और सौंदर्य का अनुभव करने लगता है। जब हमारी आदि शक्ति श्री कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार तक आरोहण करती है, तब हमारे भीतर धर्म का वास्तविक जागरण होता है। यह धर्म किसी मत, पंथ या बाहरी आडंबर का नाम नहीं, बल्कि आत्मा में स्थित होकर सत्य, प्रेम, करुणा, पवित्रता और विवेक जैसे दिव्य गुणों का सहज प्रस्फुटन है। इन गुणों का आनंद प्रत्येक साधक को स्वयं अनुभव करना होता है; इन्हें किसी पर थोपा या साझा नहीं किया जा सकता।

श्री माताजी इस सत्य को अत्यंत सुंदर दृष्टांत द्वारा समझाती हैं। वे कहती हैं कि जैसे मोती स्वयं अपने सौंदर्य को नहीं देख सकता, सूर्य अपनी ज्योति को नहीं देख सकता और आकाश अपनी विशालता का अनुभव नहीं कर सकता, उसी प्रकार परमात्मा भी अपने सौंदर्य को देखने के लिए एक दर्पण चाहता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने इस संपूर्ण सृष्टि और अंततः मनुष्य की रचना की। किंतु मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को न जानने के कारण भौतिकता, नशे, अतिवाद और अनेक विकारों में उलझकर अपने अमूल्य जीवन का उद्देश्य भूल जाता है। श्री माताजी बताती हैं कि उन्होंने साधकों के लिए उस दिव्य दर्पण की खोज की है–वह है आत्मा का दर्पण। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात जब साधक अपना चित्त आत्मा में स्थिर करता है, तब उसे अपने भीतर का निर्मल एवं दिव्य प्रतिबिंब दिखाई देने लगता है। उसी क्षण कुविचार, कुसंस्कार और विनाशकारी प्रवृत्तियाँ सहज ही समाप्त होने लगती हैं और साधक आनंद, शांति तथा आत्मिक उत्कर्ष की अनवरत यात्रा पर अग्रसर हो जाता है।

अंतरराष्ट्रीय असुरक्षा के वातावरण में आर्थिक नियंत्रण देश की आवश्यकता

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स का कथन था कि संकट के समय विवेकपूर्ण उपभोग ही अर्थव्यवस्था को संतुलित रख सकता है।विश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ युद्ध, ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता ने आम जनजीवन को सीधे प्रभावित करना प्रारंभ कर दिया है। मध्य पूर्व एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका इजरायल की सामरिक नीतियों तथा तेल उत्पादक क्षेत्रों में अस्थिरता ने पेट्रोल, डीज़ल, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तीव्र वृद्धि कर दी है। इसका प्रभाव केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले विकासशील देशों की घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। ऐसी परिस्थिति में आर्थिक मितव्ययता केवल एक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ते ही परिवहन महँगा हो जाता है, जिससे खाद्यान्न, सब्जियाँ, दवाइयाँ, निर्माण सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति सामान्य परिवारों की आय और व्यय के बीच असंतुलन उत्पन्न करती है। मध्यमवर्ग और निम्नवर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि उनकी आय सीमित होती है, जबकि आवश्यकताओं की सूची लगातार बढ़ती जाती है।

यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझ ले, तो वह अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है। मितव्ययता का अर्थ कंजूसी नहीं होता, बल्कि संसाधनों का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करना होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी कई अवसरों पर यह कह चुके हैं कि भारत जैसे देशों में घरेलू बचत आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है। जब परिवार बचत करते हैं, तब बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, निवेश बढ़ता है और भविष्य के संकटों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। यदि करोड़ों भारतीय परिवार प्रतिदिन केवल थोड़ी-सी भी बचत करना प्रारंभ कर दें, तो उसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उपभोक्तावाद ने जीवन शैली को प्रभावित कर दिया है। लोग आवश्यकता से अधिक खर्च को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानने लगे हैं। मोबाइल, फैशन, दिखावा, अनियोजित यात्राएँ और अनावश्यक विद्युत उपभोग धीरे-धीरे घरेलू बजट को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक संकट के समय यही आदतें परिवारों को कर्ज और मानसिक तनाव की ओर धकेलती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि बचत को किसी विशेष अवसर या अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए।

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि सच्चा विकास वही है जिसमें व्यक्ति भविष्य की असुरक्षाओं से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हो। बचत व्यक्ति को वही सुरक्षा प्रदान करती है। छोटी बचतें भविष्य में बड़े सहारे बनती हैं। भारतीय संस्कृति में भी बूंद-बूंद से घड़ा भरता है की परंपरा रही है। पहले घरों में अनाज, धन और संसाधनों को सहेज कर रखने की परंपरा थी। आधुनिक जीवनशैली ने उस सोच को कमजोर किया है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ पुनः उसी अनुशासन की ओर लौटने का संकेत दे रही हैं।

यदि पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतों को देखें तो स्पष्ट होता है कि ईंधन की बचत भी राष्ट्रीय बचत है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन का सीमित प्रयोग तथा ऊर्जा संरक्षण जैसी आदतें केवल व्यक्तिगत खर्च कम नहीं करतीं, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करती हैं। इसी प्रकार बिजली, पानी और गैस की बचत भी आर्थिक मितव्ययता का महत्वपूर्ण भाग है।

भारत जैसे देश में जहाँ जनसंख्या विशाल है, वहाँ छोटी-छोटी बचतें बड़े परिणाम उत्पन्न कर सकती हैं। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिमाह थोड़ी राशि भी सुरक्षित रखे, तो आपातकालीन परिस्थितियों में आर्थिक अस्थिरता कम होगी। कोविड महामारी के दौरान यह स्पष्ट देखा गया कि जिन परिवारों के पास कुछ बचत थी, वे कठिन समय में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित रहे।

प्रख्यात उद्योगपति और विचारक नारायण मूर्ति ने एक बार कहा था कि आर्थिक अनुशासन व्यक्तिगत समृद्धि का प्रथम सूत्र है। वास्तव में अनुशासनहीन खर्च व्यक्ति को क्षणिक सुख तो दे सकता है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा नहीं दे सकता। बचत केवल बैंक खाते में जमा धन नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्वास और स्थिरता का आधार भी होती है।

सरकारें अपनी नीतियों के माध्यम से महँगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करती हैं, किंतु केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होते। नागरिकों को भी अपनी आर्थिक जिम्मेदारी समझनी होगी। स्थानीय उत्पादों को अपनाना, अनावश्यक उपभोग कम करना, घरेलू बजट बनाना तथा बच्चों को बचत की शिक्षा देना समय की मांग है। परिवार यदि बच्चों को छोटी आयु से ही मितव्ययता का संस्कार देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बन सकेंगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि बचत को केवल महीने के अंत में बची राशि न माना जाए, बल्कि उसे जीवन दर्शन बनाया जाए। मितव्ययता व्यक्ति को संयम सिखाती है और समाज को स्थिरता प्रदान करती है। वैश्विक युद्ध और आर्थिक संकट कब समाप्त होंगे, यह निश्चित नहीं है, किंतु यदि समाज आर्थिक अनुशासन अपना ले, तो वह किसी भी संकट का सामना अधिक मजबूती से कर सकता है।

इन परिस्थितियों में यही कहा जा सकता है कि आर्थिक मितव्ययता एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि जीवनभर की आदत होनी चाहिए। भारत जैसे विशाल राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक की छोटी बचत भी राष्ट्रीय शक्ति बन सकती है। जब व्यक्ति बचत करेगा, परिवार सुरक्षित होगा; परिवार सुरक्षित होगा, तब राष्ट्र की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यही वर्तमान समय का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक संदेश है।

-संजीव ठाकुर

सड़कों की डिजाइनिंग

इस निर्णय से बहुत संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि सड़क डिजाइनिंग की खामियों का आडिट करने वाली संस्थाओं से उनकी जिम्मेदारी छिनेगी और अब भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी रोड सेफ्टी आडिटर्स को ट्रेनिंग देगी। ऐसे किसी निर्णय पर तो पहले ही पहुंच जाना चाहिए था, क्योंकि न तो सड़कों की खराब डिजाइनिंग का सिलसिला थम रहा है और न ही इस कारण होने वाले हादसे। सड़कों की खराब डिजाइनिंग को रोकने की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए थी, क्योंकि एक लंबे अर्से से यही सुनने को मिल रहा है कि बढ़ती मार्ग दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण सड़कों का खराब निर्माण और उनका डिजाइन सही न होना है।

यह सामान्य बात नहीं कि सड़कों की खराब डिजाइनिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का प्रतिशत 60 से अधिक है। क्या यह एक त्रासदी नहीं कि भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण अभी तक ऐसे उपाय नहीं कर सका कि सड़कों की डिजाइन में कहीं कोई खामी न रहे? कोशिश तो इसकी होनी चाहिए कि किसी भी सड़क के निर्माण में डिजाइनिंग की कमी देखने को न मिले। यदि यह सुनिश्चित किया जा सकता तो फिर सड़कों की डिजाइन की पड़ताल करने की नौबत ही नहीं आती और यदि आती भी तो बहुत कम।

लगता है अपने देश में किसी को इसकी परवाह ही नहीं कि सड़क निर्माण के मानक विश्वस्तरीय हों। यह कहना कठिन है कि सड़कों की सही डिजाइनिंग करने वाले योग्य लोगों की कमी है। आशंका यही है कि योग्य लोगों की पहचान और उन्हें प्रोत्साहित करने की परिपाटी विकसित नहीं हो सकी है। भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी रोड सेफ्टी आडिटर्स को ट्रेनिंग देने का कदम इसलिए उठाने जा रही है, क्योंकि आइआइटी दिल्ली, रुड़की के साथ केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान यानी सीआरआरआइ की ओर से सेफ्टी आडिटर को दिए जाने वाले प्रशिक्षण को अपर्याप्त पाया गया।

देखना है कि नई व्यवस्था अपेक्षित परिणाम दे पाएगी या नहीं, क्योंकि इसे लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता कि जो काम आइआइटी दिल्ली, रुड़की के साथ सीआरआइआइ नहीं कर सकी, वह भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी कर लेगी। बहुत संभव है कि वह बाहरी विशेषज्ञों और सलाहकारों की सहायता ले। इससे एक नई व्यवस्था तो आकार ले लेगी, लेकिन यह कहना कठिन है कि इससे समस्या का निदान भी हो जाएगा।

पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है कि विभिन्न मंत्रालय और सरकारी विभाग विशेषज्ञ सलाहकारों की सेवाएं ले रहे हैं। कई बार तो ये सलाहकार ही संबंधित विभाग को निर्देशित और नियंत्रित करने लगते हैं। यदि सब कुछ सलाहकारों के हिसाब से और उनके ही जरिये होने वाला है तो फिर सरकारी अमला किसलिए है? आखिर वह अपने कार्यों के लिए जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जाता? यह वह यक्ष प्रश्न है, जिसका उत्तर सामने आना ही चाहिए।

-धनंजय राजौरा

संसद का मानसून सत्रः हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा।

मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है।

इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है।

किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ÷लोक का मंदिर÷ है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है।

इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो। जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों एवं उद्देश्यों को लेकर चुने जाते हैं, वे उन मुद्दों एवं उद्देश्यों पर खरे साबित हो। देश की जनता चाहती है कि संसद संकल्प का मंच बने, संग्राम का नहीं। सरकार विपक्ष की बात सुने, विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाए, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित और जनकल्याण ही रहे। यदि इस मानसून सत्र में राजनीतिक कटुता के स्थान पर नीति आधारित विमर्श, आरोपों के स्थान पर उत्तरदायित्व और गतिरोध के स्थान पर समाधान का वातावरण बनता है, तो यह केवल संसदीय सफलता नहीं होगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय भी सिद्ध होगा। संसद तब ही वास्तव में लोकतंत्र का मंदिर कहलाएगी, जब उसकी प्रत्येक आवाज देश के अंतिम व्यक्ति की आशाओं और अपेक्षाओं को अभिव्यक्ति दे सके।

-ललित गर्ग

जरूरी है घुसपैठियों के प्रति सख्ती

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक लंबे समय से घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए हुए हैं। वे उनकी पहचान करने और उन्हें देश से बाहर निकालने की बातें लगातार करते चले आ रहे हैं। समय-समय पर प्रधानमंत्री भी घुसपैठ का उल्लेख करते रहे हैं। गृह मंत्री और प्रधानमंत्री की ओर से घुसपैठियों के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर विपक्षी दलों की ओर से अक्सर यह कहा जाता रहा है कि वे सीमांत राज्यों और खासकर बंगाल में चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ का मुद्दा उठाते हैं, लेकिन अब वहां चुनाव हो गए, तब भी यदि वे घुसपैठियों के खिलाफ अपना अभियान छेड़े हुए हैं तो इसका यही अर्थ है कि वे इसे लेकर गंभीर हैं और इस समस्या का समाधान होते हुए देखना चाहते हैं।

इसकी पुष्टि इससे होती है कि प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में बदलाव के दुष्प्रभावों का पता लगाने के लिए एक समिति गठित की है। इस समिति के साथ गृह मंत्री दो बार बैठक कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे बंगाल, पूर्वोत्तर और साथ ही अन्य सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ पर लगाम लगाने के उपायों की समीक्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में बंगाल में बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है।

घुसपैठियों पर लगाम लगाने की सक्रियता के बीच पिछले दिनों यह खबर आई कि प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को अवैध तरीके से देश में लाकर बसाने में लिप्त एक ऐसे नेटवर्क के कई ठिकानों पर छापेमारी की, जो ट्रस्ट, एनजीओ आदि के जरिये विदेश से चंदा लेता था। यह नेटवर्क कितना व्यापक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि ईडी ने बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी की।

उसे बंगाल के एक मदरसे से 40 लाख रुपये और कुछ सोने के सिक्के मिले। इस नेटवर्क के बारे में सुराग तब मिला था, जब उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद विरोधी दस्ते अर्थात एटीएस ने करीब दो वर्ष पहले यह पता लगाया था कि एक नेटवर्क म्यांमार के रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेजों से लैस कर और उन्हें आर्थिक सहायता देकर देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने में लगा हुआ है। इस नेटवर्क का संबंध आतंकी संगठनों से जुड़े होने के भी संकेत मिले थे। यूपी एटीएस की इस जांच के आधार पर ही ईडी ने अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाई और यह पाया कि घुसपैठियों के मददगार नेटवर्क की ओर से विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम अर्थात एफसीआरए के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था।

पूर्वोत्तर और बंगाल में तो न जाने कब से घुसपैठ हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से म्यांमार के रोहिंग्या मुसलमान भी भारत में घुसपैठ करने में लगे हुए हैं। उनके मददगार कितने प्रभावशाली हैं, यह इससे समझा जा सकता है कि घुसपैठिए बंगाल से हजारों किलोमीटर दूर जम्मू, हैदराबाद तक जा बसे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने तो करीब-करीब देश के हर राज्य में अपने ठिकाने बना लिए हैं। उन्होंने आजीविका के साधन जुटाने के साथ ही राशन कार्ड, आधार तक हासिल कर लिए हैं। कई मामले ऐसे आए हैं, जिनसे यह पता चला कि वे मतदाता भी बन गए हैं।

वास्तव में इसी कारण चुनाव आयोग को बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान अनेक लोगों के नाम वोटर लिस्ट से इस संदेह के चलते हटाने पड़े कि वे भारत के नागरिक नहीं हैं। बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रति एक लंबे समय से बहुत उदारता का परिचय दिया जा रहा है। पहले कांग्रेस और वाम मोर्चा सरकारों ने घुसपैठ की अनदेखी की। इसके बाद यही काम ममता बनर्जी करने लगीं। कहना कठिन है कि बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में कितने घुसपैठिए भारतीय नागरिक के रूप में रह रहे हैं, लेकिन सभी इससे परिचित हैं कि बंगाल में एसआइआर के दौरान एक बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अपने देश लौटने के लिए कतार लगाए हुए थे।

घुसपैठियों को बाहर निकाला ही जाना चाहिए, क्योंकि वे न केवल देश के संसाधनों पर बोझ हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा भी हैं। भारत एक विकासशील देश जरूर है, पर यहां अत्यधिक गरीबी भी है। केंद्र और राज्य सरकारें निर्धनता उन्मूलन के लिए जो अनेक योजनाएं चला रही हैं, उनका लाभ उठाने का अधिकार देश के गरीब लोगों को है, न कि घुसपैठियों को भी। समस्या यह है कि विपक्षी दल घुसपैठियों को एक वोट बैंक के रूप में देखते हैं। वोटों के लोभ में वे राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी ही करते हैं।

विपक्षी दल चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया का विरोध इसीलिए कर रहे हैं कि कहीं घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। चूंकि घुसपैठिए बड़ी संख्या में मुस्लिम हैं, इसलिए मुस्लिम तुष्टीकरण की भी राजनीति की जा रही है। एसआइआर एक जटिल प्रक्रिया है। चुनाव आयोग के लिए इस प्रक्रिया को बिना किसी गड़बड़ी के पूरा करना कठिन है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इस प्रक्रिया को होने ही न दिया जाए। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पूर्वोत्तर के राज्यों में घुसपैठिए वैसे ही समस्या बन गए हैं, जैसे बंगाल में बने हुए हैं।

वैसे तो विश्व के अनेक अमीर देशों में गरीब देशों से अवैध तरीके से बसने वाले लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है, लेकिन वहां की स्थिति अलग है। इन देशों में मानव संसाधन की कमी देखी जा रही है। भारत में ऐसा नहीं है। भारत घुसपैठियों के प्रति उदारता का परिचय नहीं दे सकता, क्योंकि वे देश के सीमित संसाधनों का लाभ उठाने के साथ सीमांत इलाकों में सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने और स्थानीय संस्कृति और अस्मिता को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में घुसपैठियों के खिलाफ सघन कार्रवाई होनी ही चाहिए। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि घुसपैठियों के मददगारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, क्योंकि अब यह स्पष्ट है कि वे किसी साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से उन्हें भारत में लाकर जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

-सुनील कुमार महला

11 दिन बाद आधे शहर में बरसी राहत, आधे में गर्मी से बेहाल हुए नगरवासी

हल्की बूंदाबांदी से करना पड़ा संतोष, ठंडी हवाओं ने दी गर्मी से राहत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे समय से बारिश की बाट जोह रहे नगरवासियों के लिए रविवार का दिन राहत भरा रहा। इस दिन बारिश जरूर हुई लेकिन आधे शहर को ही बादल तर कर सके। जबकि आधे शहर में हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके बाद चली ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। मौसम विभाग की माने तो सोमवार से नया सिस्टम एक्टिव होगा और अच्छी बारिश होगी।

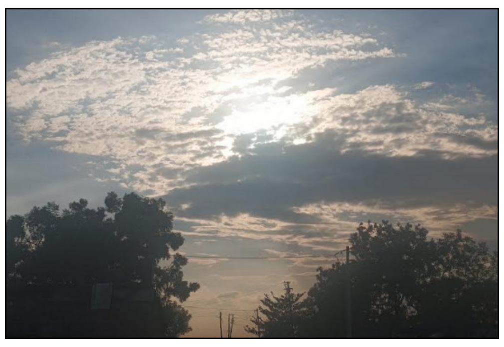

गौरतलब है नगर में 10 दिन पहले बारिश हुई थी और गर्मी से राहत मिली थी। लेकिन इसके बाद से मौसम ऐसा बदला कि नगर से बारिश पूरी तरह गायब हो गई। केवल नगर ही नहीं बल्कि जिले भर से बादलों ने मुंह मोड़ लिया। बारिश न होने से आसमान साफ हो गया और प्रतिदिन सुबह से शाम तक लोगों को तेज धूप निकलने से उमस व गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। इधर बारिश के अभाव में बोवनी कर चुके किसान भी चिंतित हो रहे थे क्योंकि फसलों में फूल आने के बाद बारिश की आवश्यकता थी लेकिन मौसम साफ होने व धूप खिलने से फसलें मुरझाने लगी थी। रविवार को भी नगर का यही हाल था और तेज धूप खिली हुई थी। हालांकि बादल जरूर छा रहे थे जो केवल मुंह दिखाई की रस्म ही अदा कर बिन बरसे लौट रहे थे। शाम को भी मौसम बदला और आसमान पर बादलों का डेरा डल गया। लेकिन ये बादल आधे शहर में बरसे और आधे शहर में आधे घंटे बाद केवल बूंदाबांदी ही हुई।

आदित्य नगर में बारिश, नई सड़क से लेकर आधा शहर सूखा- रविवार शाम करीब 6 बजे नगर के आदित्य नगर में 15 से 20 मीनिट के लिए झमाझम बारिश हुई। जबकि नई सड़क से लेकर आधे शहर में बूंदाबांदी भी नहीं हो रही थी। कुछ देर बाद हल्की बूंदाबांदी जरूर हुई जो कुछ देर बाद ही थम गई। जिससे नगरवासी बारिश के मामले में फिर खाली हाथ रह गए। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि कहीं से एकाध बदली आई थी जो बरस गई। लेकिन देर रात नगर में बारिश हो सकती है।

आज से शुरू हो सकता है बारिश का दौर- लंबे समय से बारिश की राह देख रहे नगरवासियों के लिए मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। जिसके चलते नगर में तेज और निरंतर बारिश का दौर शुरू होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को जो बारिश हुई वह आष्टा तरफ से बने सिस्टम से हुई थी जिसकी एक बदली के इधर आने से यहां आधे शहर में बारिश हुई। लेकिन सोमवार से नगर में बेहतर बारिश की संभावना है।

मालवा को नई पहचान दिलाने सीएम से मिले कंटेंट क्रिएटर राहुल पाटीदार

सीएम ने दिया आश्वासन कहा ''आप काम करो, हम साथ हैं''

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपनी मालवी बोली से मालवा क्षेत्र को विशेष पहचान दिलाने वाले कंटेंट क्रिएटर राहुल पाटीदार ने इंदौर में सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और मालवा की संस्कृति को नई पहचान दिलाने के लिए उन्होंने सीएम से चर्चा की। राहुल पाटीदार ने सीएम से बॉलीवुड और टॉलीवुड की तरह मालवीवुड की स्थापना की मांग की। इस पर सीएम ने भी उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और कहा कि आप काम करो हम आपके साथ हैं।

राहुल पाटीदार पिछले लगभग 14 वर्षों से अभिनय और मनोरंजन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने मुंबई में अकबर बीरबल, संकट मोचन हनुमान सहित कई टीवी धारावाहिकों में काम किया। वर्तमान में वे वीआर प्रोडक्शन एण्ड फिल्म एकेडमी के माध्यम से नए कलाकारों को प्रशिक्षण और अवसर प्रदान कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी उनके उनके 40 लाख (4 मिलियन) से अधिक फॉलोअर्स हैं। उनकी आगामी फिल्म बाबा की सरकार भी जल्द रिलीज़ होने वाली है। राहुल पाटीदार ने विश्वास जताया कि यदि सरकार का सहयोग मिला तो भविष्य में मालवीवुड मालवा की कला, संस्कृति और स्थानीय प्रतिभाओं को नई पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध करा सकता है। इसी को लेकर वे बलराम किसान महोत्सव में मुख्यमंत्री से मिले और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मालवा की बोली, संस्कृति और क्षेत्रीय कलाकारों को समर्पित मालवीवुड की स्थापना का प्रस्ताव रखा। इस पर सीएम ने भी इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा हम तुम्हारे साथ हैं, काम करो।

मालवा की प्रतिभा को भी मिले सशक्त मंच

राहुल पाटीदार ने बताया कि जिस तरह बालीवुड, टालीवुड और अन्य क्षेत्रीय फिल्म उद्योग अपनी अलग पहचान रखते हैं, उसी प्रकार मालवी भाषा, लोक संस्कृति और ग्रामीण कहानियों को भी एक सशक्त मंच मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में क्षेत्रीय ओटीटी प्लेटफार्म का प्रस्ताव भी पूर्व में सरकार को सौंपा जा चुका है।

अंडर-11 स्टेट सिलेक्शन शतरंज चैंपियनशिप 2026 का दो दिवसीय आयोजन संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश अंडर-11 स्टेट सिलेक्शन शतरंज चैंपियनशिप 2026 का दो दिवसीय आयोजन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता की अध्यक्षता किंडर हाई सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर हेमंत वर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवास जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष सुधीर पंडित एवं रागिनी चौहान रहे, जबकि राजीव श्रीवास्तव एवं अजय नागर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष सुधीर पंडित ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 148 बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय अंडर-11 शतरंज प्रतियोगिता, जो बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित होगी, में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतियोगिता के परिणामों में बालिका वर्ग से प्रथम लावण्या जुनेजा एवं द्वितीय अन्वेषा छज्जलानी, जबकि बालक वर्ग में प्रथम मनित आर्य यादव एवं द्वितीय प्रयान चोपड़ा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में किंडर हाई सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं प्राचार्य विनोद पटेल का विशेष सहयोग रहा।

नागिन को पकड़ करतब दिखा रहा था ''अजगर'', डसने से हुई मौत

मोहन बड़ोदिया के जर्जर पीएम रूम में हुआ पोस्टमार्टम

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र में नागिन के डसने से अजगर नामक युवक की मौत हो गई। युवक सांप पकड़ने का ही काम करता था जिसने नागिन को पकड़ा और उसे पकड़कर करतब दिखा रहा था। लेकिन नागिन ने उसे हाथ और पैर में डस लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

घटना शनिवार शाम नलखेड़ा रोड क्षेत्र की है। उपचार के लिए अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार नलखेड़ा रोड निवासी अजगर पिता मौलाना सांप पकड़ने का काम करता था। शनिवार को उसने एक नागिन को पकड़ रखा था और उसके साथ करतब दिखा रहा था। इसी दौरान नागिन ने उसके हाथ और पैर पर डस लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

टॉर्च की रोशनी में हुआ पोस्टमार्टम- घटना के बाद मोहन बड़ोदिया के पोस्टमार्टम रूम की बदहाल व्यवस्था भी उजागर हुई। जहां बिजली नहीं होने के कारण टॉर्च की रोशनी में पोस्टमार्टम करना पड़ा। यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव और गंदगी की स्थिति सामने आई। शनिवार शाम करीब 6 बजे बिजली और पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण डॉक्टरों को टॉर्च की रोशनी में पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

दलदल में फंसे गौवंश को बचाने डाली जान जोखिम में

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की गौरक्षा सेना हमेशा मुसीबत में फंसे गौवंश को बचाने तत्पर रहते हैं। इसका उदाहरण उस समय देखने को मिला जब चीलर नदी के दलदल में जीवन और मौत के बीच में झूल रहे एक गौवंश को नगर के गौरक्षकों ने अपनी जान की भी परवाह किए बगैर उसे बाहर निकाला। रविवार को गौरक्षा सेना की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर रेस्क्यू अभियान चलाकर एक घायल मादा हिरण और चिलर नदी में फंसे एक गोवंश की जान बचाई। दोनों अभियानों में स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया। पहला रेस्क्यू बरवाल क्षेत्र में सुबह करीब 8 बजे कांजा-बरवाल के बाल्डे के पास आश्रम के समीप किया गया। यहां तार फेंसिंग के बीच बनी खंती में एक मादा हिरण गंभीर रूप से घायल मिली। सूचना मिलने पर गौरक्षा सेना की बरवाल टीम के अर्जुन राजपूत, राजपाल राजपूत और कुलदीप राजपूत मौके पर पहुंचे। टीम ने हिरण को सुरक्षित निकालकर पशु चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया। बाद में वन विभाग की रेस्क्यू टीम को हिरण सौंप दिया गया।

दूसरा रेस्क्यू नगर की भावसार धर्मशाला के सामने चीलर नदी में किया गया। यहां जलकुंभी और गंदगी के बीच एक गोवंश फंस गया था। सूचना पर गौरक्षा सेना के संस्थापक धर्मेंद्र शर्मा और रेस्क्यू विशेषज्ञ विशाल देवतवाल टीम के साथ पहुंचे। विशाल देवतवाल कमर में रस्सी बांधकर नदी में उतरे और टीम व स्थानीय लोगों की मदद से टेंट के पाइप का सहारा लेकर गोवंश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों सफल रेस्क्यू अभियानों के बाद स्थानीय लोगों ने गौरक्षा सेना की तत्परता और साहस की सराहना की। समय पर कार्रवाई से घायल हिरण और गोवंश दोनों की जान बचाई जा सकी।

नपा का सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान शुरू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नपा द्वारा एसएबीबी (सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ) अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान अंतर्गत नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत मंदिर प्रांगण में विशेष सफाई अभियान चलाया गया एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया।

इस अभियान के दौरान सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत बनाने तथा सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अभियान के सफल आयोजन में नगर पालिका की सहयोगी संस्था इनोवेशन टेक्नोलाजी इंटरप्राइजेस की टीम की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

मक्सी पहुंचे विजयवर्गीय ने किया दावा, दतिया में होगी भाजपा की प्रचंड जीत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अल्पप्रवास पर शनिवार रात मक्सी पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने चर्चा में दावा किया कि आगामी दतिया उपचुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज करेगी। शाजापुर जिले के मक्सी में अपने अल्प प्रवास के दौरान उन्होंने कहा कि जनता सरकार के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ है, जिससे पिछली हार का अंतर खत्म कर पार्टी बड़ी जीत हासिल करेगी। नगरीय प्रशासन मंत्री ने मक्सी में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े विवाद पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने इस पूरे मामले को विशुद्ध रूप से प्रशासनिक विषय बताया। विजयवर्गीय ने स्पष्ट किया कि प्रशासन नियम के मुताबिक अपनी कार्रवाई करता है और इस मामले से सरकार का कोई लेना-देना या हस्तक्षेप नहीं है। शनिवार रात करीब 8 बजे मक्सी आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहन सिंह पटेल और महेंद्र सिंह पटेल के निवास पर आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय विकास कार्यों की समीक्षा की और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष हंसराज जैन, पार्षद भगवानसिंह मंडलोई, दिलीप लोधी, महिला जिला महामंत्री पुष्पा जुगल किशोर भावसार, जैन श्री संघ से नरेंद्र जैन, रवि जैन और भाजयुमो मंडल अध्यक्ष गौतम जैन प्रमुख रूप से शामिल थे।

फोरलेन निर्माण पर फिर उठे सवाल, 35 करोड़ की राशि से किए जा रहे निर्माण में 18 के बजाए लगाए 10 एमएम के सरिये

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी में कनासिया नाके से जलालपुरा जोड़ तक बन रहे करीब 35 करोड़ रू. की लागत वाले फोरलेन मार्ग की एक पुलिया के निर्माण पर सवाल उठे हैं। जैन तौल कांटे और सुदर्शन फैक्ट्री के सामने निर्माणाधीन पुलिया में इस्तेमाल किए जा रहे सरिये के आकार और गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने तकनीकी मानकों से समझौते की आशंका जताते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर एक इंजीनियर ने दावा किया कि पुलिया जैसे स्ट्रक्चर में 18 एमएम सरिया लगाया जाना चाहिए, जबकि मौके पर 10 एमएम सरिया उपयोग में लाया जा रहा है। उनका कहना है कि पुलिया का निर्माण स्वीकृत ड्राइंग और भारतीय सड़क कांग्रेस (ग्र्भ) के मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निर्धारित मानकों से कम क्षमता का सरिया लगाने पर भविष्य में पुलिया की मजबूती प्रभावित हो सकती है। निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर मुकेश पांडे ने इन आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि पुलिया में 10 एमएम का ही सरिया लगाया जा रहा है और यही स्वीकृत डिजाइन के अनुरूप है। 18 एमएम सरिये के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पुलिया में उसकी आवश्यकता नहीं है। साथ ही स्वीकृत ड्राइंग उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

निष्पक्ष हो जांच, दोषियों पर हो कार्रवाई - इधर स्थानीय निवासियों का कहना है कि करोड़ों रुपए की परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्माणाधीन पुलिया की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने, स्वीकृत ड्राइंग और डिजाइन का सत्यापन करने तथा उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की सार्वजनिक जांच कराने की मांग की। रहवासियों ने कहा कि यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

टापरी से भैंस चुरा ले गए बदमाश, सीसीटीवी में कैद हुआ बदमाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र में 90 हजार रुपए कीमत की एक भैंस चोरी का मामला सामने आया है। बदमाश टापरी का ताला तोड़कर भैंस ले गए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बजरंग कालोनी निवासी रामचंद्र बैरागी जो बस स्टैंड पर चाय की दुकान भी चलाते हैं ने पुलिस को बताया कि उनके पास एक भैंस, एक पाड़ी और पांच गाय हैं। 17 जुलाई की रात उन्होंने सभी मवेशियों को चारा-पानी देकर टापरी में बांध दिया था। रात करीब 1.30 बजे दोबारा चारा डालने पहुंचे तो टापरी का ताला टूटा मिला और भैंस गायब थी। आसपास तलाश करने के बाद भी भैंस का पता नहीं चलने पर रामचंद्र ने लालघाटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 18 जुलाई को अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। रविवार को सामने आए सीसीटीवी फुटेज में बदमाश भैंस को ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है।

'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' 15 दिवसीय अभियान के क्रम में जागरूकता रैली कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई 2026 तक चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत रविवार को पुलिस ग्राउण्ड छिंदवाड़ा में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन श्री प्रमोद वर्मा एवं उप पुलिस महानिरीक्षक छिंदवाड़ा जोन श्री राकेश सिंह ने जागृति रथ और जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

रैली बस स्टैंड, फव्वारा चौक, सत्कार चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करते हुए पुलिस लाइन पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

शामगढ पुलिस की धरपकड़ में फॉर्च्यूनर कार ने उगला 100 किलो डोडाचूरा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत पुलिस थाना शामगढ को बड़ी सफलता मिली है। लग्जरी कार फोरच्युनर से मादक पदार्थ डोडाचूरा ले जाने वाले तस्करों के मंसूबों को विफल किया है। घटना अनुसार 18.07.26 को थाना शामगढ के सउनि देवीसिह डामोर के द्वारा मुखबिर सुचना पर उज्जैन गरोठ ढाबला फोर लेन के पास से एक सफेद रंग की फोरच्युनर कार क्र. एचआर 26 बीएन 0577 को रोका गया। कार चालक के द्वारा कार को वापस मोड कर उज्जैन तरफ ले जाकर भगाने लगा, पुलिस बल द्वारा वाहन का पीछा कर करते चालक द्वारा वाहन को गरोठ उज्जैन फोरलेन पर छोडकर अंधेरे का फायदा उठा कर खेतो मे भाग गया। फोरच्युनर की विधिवत तलाशी लेते कार के अंदर से 05 कट्टे में मादक पदार्थ 100 किलो डोडाचूरा के जप्त किये गये जाकर धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक कपिल सोराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ, सउनि देवी सिँह डामोर, आरक्षक विशाल सिँह चन्द्रावत, प्रेम कुमार रावत, धर्मेश बैरागी, विशाल सोलंकी शामिल रहे।

नयागांव के पास सड़क हादसाः सांवरियाजी दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर; महिला गंभीर रूप से घायल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव चौकी के कानका फंटे पर आज रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सांवरियाजी मंदिर (मंडफिया) दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने लापरवाहीपूर्वक जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण भिड़ंत में श्रद्धालुओं की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं कार में सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। हादसे के तुरंत बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

दर्शन की आस में निकला था परिवार, रास्ते में काल बना ट्रक- प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजगढ़ जिले के ग्राम बोडा निवासी प्रजापति परिवार कार से सांवरियाजी के दर्शन के लिए मंडफिया (राजस्थान) जा रहा था। कार में गायत्री (26 वर्ष) पति पवन प्रजापति, अपने परिजनों पिंकी, महेश, कोमल, आदर्श, नायरा और कार चालक राजू के साथ सवार थीं।जैसे ही उनकी कार नयागांव चौकी के समीप कानका फंटे के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रक के चालक ने तेज गति और घोर लापरवाही से वाहन चलाते हुए कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का पिछला और साइड का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया।

टोल टैक्स की एम्बुलेंस ने संभाला मोर्चा, महिला जिला अस्पताल रेफर- हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही नयागांव टोल टैक्स की एम्बुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची। प्राथमिक उपचार- एम्बुलेंस के ईएमटी विनोद शर्मा एवं पायलट नरेंद्र सिंह ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया। सिर और हाथ में गंभीर चोट- हादसे में 26 वर्षीय गायत्री प्रजापति के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कार में सवार अन्य परिजनों को मामूली चोटें आई हैं, जो सुरक्षित हैं।

फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज- हादसे को अंजाम देने के बाद हाईवे पर नाकेबंदी से बचने के लिए ट्रक चालक तेजी से वाहन लेकर मौके से भाग निकला। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने नयागांव चौकी/जावद थाने में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ तेज गति, लापरवाही से वाहन चलाने और जान जोखिम में डालने की धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उत्तम सेवा न्यास की कावड़ यात्रा 17 अगस्त को, बखतपुरा में हुई पहली बैठक

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्तम सेवा न्यास के तत्वावधान में क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली ऐतिहासिक कावड़ यात्रा इस वर्ष अपने गौरवमयी 20वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस वर्ष यह भव्य कावड़ यात्रा आगामी 17 अगस्त, सोमवार को निकाली जाएगी। यात्रा की तैयारियों और रूपरेखा को लेकर रविवार को ग्राम बखतपुरा में प्रथम बैठक संपन्न हुई, जिसमें आयोजन को भव्य रूप देने के लिए सर्वसम्मति से कार्ययोजना तैयार की गई।

इस वर्ष कावड़ यात्रा विशेष संकल्पों के साथ निकाली जा रही है। संस्था अध्यक्ष व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण रक्षा एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। यात्रा के माध्यम से जहां एक ओर प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जाएगी, वहीं दूसरी ओर समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा।

कावड़ यात्रा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु बखतपुरा स्थित पाटीदार धर्मशाला में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सनद गुरुजी, ईश्वरलाल पाटीदार, बाबूलाल जाट, सर्वेश मंडलेचा, शिवराम रघुवंशी, यात्रा प्रमुख पुंजालाल, ईश्वर झाड़ीवाल, पूर्व सरपंच सांवरिया चौधरी एवं सरपंच योगेन्द्र रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व न्यास के सदस्य उपस्थित थे।

यात्रा प्रमुख पुंजालाल जी ने - बैठक के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि सनातन संस्कृति में कावड़ यात्रा का बहुत अधिक महत्व है। यह हमारी आस्था और भक्ति का प्रतीक है, इसलिए इस गौरवशाली परंपरा को हमें निरंतर आगे बढ़ाना है और इसे हर वर्ष और अधिक भव्य रूप देना है। बैठक को बाबूलाल जाट एवं ईश्वरलाल पाटीदार ने भी संबोधित करते हुए कावड़ यात्रा को सफल बनाने के लिए अपने विचार रखे और सभी से सक्रिय सहभागिता की अपील की।

कार्यक्रम का सफल संचालन सनद बैरागी (सनद गुरुजी) ने किया तथा आभार प्रदर्शन ईश्वरलाल झाड़ीवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

आयोजक उत्तम सेवा न्यास बदनावर के अनुसार, यात्रा में इस बार भी हजारों की संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु शामिल होंगे। कावड़यात्री पश्चिम में स्थित पवित्र माही नदी तट से जलभर करेंगे। इसके बाद बम-बम भोले और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों के साथ लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर बदनावर पहुंचेंगे। यहाँ अति प्राचीन व चमत्कारी श्री बैजनाथ महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का पवित्र माही जल से अभिषेक किया जाएगा। यात्रा का यह 20वां वर्ष होने के कारण ग्रामीण अंचलों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूरे यात्रा मार्ग में व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। 30 किलोमीटर लंबे मार्ग में जगह-जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों व ग्रामीणों द्वारा मंच लगाकर कावड़यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा।

लंबी पैदल दूरी को ध्यान में रखते हुए मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए जलपान की उत्तम व्यवस्था रहेगी। वहीं, यात्रा के बदनावर पहुंचने और भगवान बैजनाथ के अभिषेक के बाद न्यास द्वारा सभी कावड़ यात्रियों के लिए विशाल भोजन महाप्रसादी रखी गई है। आयोजन को लेकर न्यास पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है।

साप्ताहिक जैविक हाट : किसानों को मिला उचित दाम, उपभोक्ताओं में भारी उत्साह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में लगाये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का आज भी सफल आयोजन सफल आयोजन किया गया। साप्ताहिक जैविक हाट ने स्थानीय उपभोक्ताओं और जैविक खेती करने वाले किसानों के बीच एक मजबूत कड़ी का काम कर रहा है, जिससे दोनों ही पक्षों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

अक्सर शुद्ध और प्रामाणिक जैविक उत्पादों के लिए भटकने वाले शहरी व स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए यह हाट एक वरदान साबित हो रहा है। हाट में पहुँचे उपभोक्ताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें एक ही छत के नीचे बेहतरीन जैविक उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं। बाजार से मिल रहा सकारात्मक रुझान यह दर्शाता है कि लोग अब स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

किसानों के चेहरे खिले, मिला उपज का उचित दाम - दूसरी ओर, रासायनिक खादों को छोड़कर प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों के लिए यह हाट बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ। बिचौलियों से मुक्त सीधे बाजार मिलने के कारण किसानों को अपनी उपज का सही और वाजिब दाम प्राप्त हुआ। उचित मूल्य मिलने से जैविक किसानों में खुशी की लहर है और उनका मनोबल बढ़ा है।

रविवार को आयोजित साप्ताहिक जैविक हाट के सफल संचालन की पूरी जिम्मेदारी विकासखंड पाटन के कृषि विभाग की रही। विभाग द्वारा की गई उत्कृष्ट संचालन व्यवस्था से उपभोक्ता और किसान दोनों ही पूरी तरह संतुष्ट नजर आए।

NEET 2026 में 535 अंक हासिल कर आर्यन ने उत्तीर्ण की परीक्षा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम नागोरा निवासी आर्यन कामदार ने NEET 2026 परीक्षा में 535 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। आर्यन, एहसान कामदार के पुत्र हैं। इससे पहले आयोजित NEET परीक्षा में उन्होंने 629 अंक प्राप्त किए थे, लेकिन परीक्षा निरस्त होने के कारण उन्हें दोबारा परीक्षा देनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कड़ी मेहनत व लगन के बल पर दोबारा सफलता हासिल की। आर्यन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों, परिवार के सहयोग और नियमित अध्ययन को दिया। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

माँ एकवीरा सेवा संस्थान द्वारा मुक्ति धाम (श्मशान) बदनावर में नीम के पौधे लगाये

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माँ एकवीरा सेवा संस्थान बदनावर का सराहनीय व अनुठा प्रयास एक अच्छा संकल्प के साथ सभी टीम ने जगह चिन्हित कर पेड़ लगाने हेतु उपयोगी मुक्ति धाम जगह देखकर सेवा भाव व मेहनत से पौधे लगाऐ हैं। मुक्ति धाम (श्मशान) में पौधे लगाना पर्यावरण संरक्षण और दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने का एक पुण्य कार्य है। बदनावर मुक्तिधाम में नीम पौधे रोपकर संरक्षण का लिया संकल्प। छायादार और धार्मिक महत्व वाले पौधों का चयन कर पौधे लगाते रहना है। पेड़ों से प्राणवायु (ऑक्सीजन) मिलती है जो वहां के वातावरण को शुद्ध करती है। छाया और शांति के लिए मुक्ति धाम में आने वाले शोक संतप्त लोगों और सेवादारों को छाया और मानसिक शांति प्रदान करते हैं। परिजनों की स्मृति में लगाए गए पौधे सदाबहार यादों के रूप में जीवित रहते हैं।आज के पेड़ लगाओं सेवा संकल्प में एन. एस. गोयल, हरिष गुर्जर, जितेन्द्र गौर, राजू गजभिये (सीताराम), हरिओम सिंह चौहान, पंकज गुर्जर, अमीत पांचाल, व दिपक सोलंकी यह टिम ने पेड़ लगाऐ।

अज्ञात वाहन ने बंदर को मारी टक्कर

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मदाना रविवार को 4 बजे के लगभग पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम अलीसर खेड़ा जोड़ स्थित सारंगपुर सुजालपुर मार्ग पर एक बंदर को आज्ञा वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी थी जिसके चलते बंदर की सिर में एवं कमर में चोट आने से वह काफी लड़ बड़ा रहा था रास्ते से निकाल कर जा रहे हैं चोमा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच धमेंद्र सिंह बाघेला ने क्षेत्र के सामाजिक लोगों को सूचना दी इसके बाद ग्राम अलीसर खेड़ा मुकाती खेड़ा काछी खेड़ी के युवक मौके पर पहुंचे और बंदर को व्यवस्थित रख मौके पर मौजूद पत्रकार अमर सिंह मेवाडा द्वारा वन विभाग के जिला मुख्यालय स्थित बिट प्रभारी एमएल शर्मा सूचना देने के बाद भी पहुंचे लेकिन इतनी देर में बंदर ने सांस तोड़ दी थी जिसके बाद वन विभाग कार्यालय में कोई फोर व्हीलर गाड़ी ना होने की वजह से रिक्शा गाड़ी लेकर बिट प्रभारी मौके पर पहुंचे थे मृतक बंदर को अपने साथ लेकर गए हैं जिसका दा संस्कार किया जाएगा।

समाजसेवियों, संतों, पूजारियों एवं पत्रकारों का हुआ सम्मान

समाज की एकता का आधार हिंदुत्व, जातिवाद नहीं - संत गोविंद जी जाने

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री खाटूश्याम मंदिर श्री सिद्ध शनि धाम परिसर में श्री श्याम सेवा समिति अकोदिया फुलेन, अकोदिया गांव के तत्वाधान मे वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. सुशील कुमार गेहलोत के पिता एवं वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय देवेंद्र कुमार गेहलोत की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन मालवा माटी के संत गोविन्द जी जाने के मुख्य आतिथ्य मे एवं उदनखेड़ी आश्रम के महंत सागर जी महाराज विशिष्ट आतिथ्य मे व वरिष्ठ समाजसेवी नटवरलाल राठी की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ समाजसेवी आनंदीलाल जी शर्मा,पूर्व रिटायर्ड सैनिक महेश शर्मा, पूर्व नप अध्यक्ष रामनारायण कुशवाहा, समाजसेवी रमेश विश्वकर्मा,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि गोविन्द मंडलोई, नप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष मेवाड़ा, पूर्व जिला. उपाध्यक्ष खामसीह यादव,कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राहुल मंडलोई, श्रमजीवी पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक सक्सेना के विशेष आतिथ्य मे आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कन्यापूजन, ब्राह्मण पूजा एवं स्वर्गीय देवेंद्र कुमार गेहलोत के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियों ने उनके व्यक्तित्व, समाजसेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में धार्मिक, सामाजिक, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं पत्रकारिता, चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाजसेवियों, विभिन्न मंदिरों के पूजारियों, मातृशक्ति टोली तथा पत्रकारों, चिकित्सको को अभिन्दन पत्र एवं रुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत डॉ.. गेहलोत द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि गोविंद जी जाने ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता में निहित है। जातिवाद सामाजिक समरसता को कमजोर करता है, जबकि हिंदुत्व सभी को साथ लेकर चलने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है। हमें आपसी भेदभाव छोड़कर सेवा, सद्भाव और संगठन के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। कथावाचक जी ने कहा की हिंदुत्व किसी एक वर्ग या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि यह भारत की सनातन संस्कृति, जीवन मूल्यों, सेवा, समरसता और मानवता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का मूल भाव ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ है, जो पूरे विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देता है। कथावाचक ने कहा की समाज की एकता का आधार हिंदुत्व है जातिवाद नहीं।

विशिष्ट अतिथि संत सागर जी महाराज ने युवाओं से भारतीय संस्कृति, अपने धर्म, संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज को संगठित, जागरूक और संस्कारित बनाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सामाजिक सेवा, गौ संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक स्थलों के विकास जैसे कार्य ही सच्चे हिंदुत्व की पहचान हैं। हिंदुत्व के आदर्शों पर चलते हुए समाज में सद्भाव, सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। सागर जी महाराज ने कहा की ÷हिंदुत्व किसी जाति विशेष का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता को जोड़ने वाला सनातन जीवन-दर्शन है। जब समाज जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर सेवा, संस्कार और राष्ट्रहित को अपनाता है, तभी सच्चे हिंदुत्व की स्थापना होती है।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुनील शर्मा ने किया। समापन अवसर पर श्री श्याम सेवा समिति द्वारा अतिथियों, समाजसेवियों, पूजारियों, पत्रकारों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। समारोह के समापन पर सभी के लिए सहभोज का आयोजन किया गया।

लोकेंद्र सिंह (राहुल) मंडलोई बने कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष

नगर में हर्ष की लहर, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पंचायत अकोदिया के पूर्व पार्षद एवं कांग्रेस के युवा नेता लोकेंद्र सिंह राहुल मंडलोई को पार्टी के प्रति उनकी सक्रियता, समर्पण और संगठनात्मक कार्यों को देखते हुए जिला शाजापुर कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन तथा प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की अनुशंसा पर की गई।

खबर मिलते ही नगर में आतिशबाजी - राहुल मंडलोई के जिला उपाध्यक्ष बनने की खबर मिलते ही अकोदिया नगर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका पुष्पमालाओं से स्वागत किया तथा मिठाई बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ,पूर्व मंत्री हुकुम सिंह कराड़ा, महेंद्र जोशी, रामवीर सिंह सिकरवार, कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेश्वर जी , नागपुर नगर पालिका अध्यक्ष रचना जैन,आंचल सिंह मेवाड़ा, अजब सिंह पवार, गजेंद्र सिंह सिसोदिया सहित अनेक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आगामी चुनाव को लेकर बढ़ी उम्मीदें- राहुल मंडलोई की नियुक्ति के बाद नगर और क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर के प्रमुख चौराहों पर राजनीतिक चर्चाओं का दौर जारी है। आमजन और कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी सक्रियता और जनसंपर्क का लाभ कांग्रेस को आगामी चुनावों में मिल सकता है।

युवाओं की पहली पसंद बने लोकेंद्र सिंह राहुल मंडलोई - लोकेंद्र सिंह (राहुल) मंडलोई अकोदिया क्षेत्र में युवाओं के बीच एक लोकप्रिय चेहरा माने जाते हैं। राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ वे सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। जरूरतमंदों की सहायता और समाजसेवा के कार्यों के कारण उन्होंने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

उनके जिला उपाध्यक्ष बनने से समर्थकों में विशेष उत्साह का माहौल है।

आदर्श महाविद्यालय में आज से छह दिवसीय कार्यशाला, प्रशासनिक सेवा की तैयारी का मिलेगा विशेषज्ञ मार्गदर्शन

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं के प्रति प्रेरित करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय आदर्श महाविद्यालय, जम्बार बागरी विदिशा में 20 से 25 जुलाई तक छह दिवसीय विशेष कार्यशाला प्रशासनिक अधिकारी कैसे बनें का आयोजन किया जा रहा है।

महाविद्यालय के प्रिंसिपल श्री ब्रह्मदीप अलूने ने बताया है कि स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशासनिक, पुलिस, न्यायिक एवं कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों से संवाद कर अपने अनुभव साझा करेंगे। कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को होगा। उद्घाटन सत्र में डिप्टी कलेक्टर श्री मोतीलाल अहिरवार तथा सहायक कुलसचिव डॉ. पुनीत शुक्ला प्रशासनिक सेवाओं में सफलता के लिए आवश्यक रणनीति, अध्ययन पद्धति और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. अहिरवार करेंगे।

दूसरे दिन पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) भोपाल में पदस्थ निरीक्षक दीपिका गौतम विद्यार्थियों से संवाद करेंगी। उनके साथ निरीक्षक भूर सिंह चौहान भी प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। तीसरे दिन जिला अभियोजन अधिकारी जे.एस. तोमर न्यायिक एवं प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी देंगे। चौथे दिन उपसंचालक कृषि संजय जैन प्रशासनिक क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, चुनौतियों एवं कार्यशैली पर प्रकाश डालेंगे।

कार्यशाला के पांचवें दिन प्रसिद्ध समाजसेवी एवं प्रशासनिक विषयों के विशेषज्ञ डॉ. विमल गर्ग व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और प्रशासनिक दृष्टिकोण विकसित करने के महत्वपूर्ण सुझाव देंगे। अंतिम दिन रोजगार कार्यालय के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन होगा, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी एवं निजी क्षेत्र के रोजगार अवसरों, कैरियर विकल्पों तथा रोजगारोन्मुख योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और रोजगार संबंधी संभावनाओं से अवगत कराना है। कार्यक्रम में विदिशा सहित आसपास के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। माउंट किलिमंजारो फतह करने वाली निरीक्षक दीपिका गौतम बनेंगी युवाओं की प्रेरणा- शासकीय आदर्श महाविद्यालय, विदिशा में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला प्रशासनिक अधिकारी कैसे बनें के दूसरे दिन पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) भोपाल में पदस्थ निरीक्षक दीपिका गौतम विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगी।

वीबी-जी राम जी योजना से अब गांव में ही मिलेगा ज्यादा काम, बढ़ेगी आमदनी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार, बेहतर आय और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा लागू की गई विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) – VB-G RAM G योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। इस योजना के तहत अब पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी मिलेगी। साथ ही, देश के किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 से कम नहीं होगी, जबकि राष्ट्रीय औसत मजदूरी बढ़कर लगभग 327 प्रतिदिन हो गई है।

सीहोर जिले के ग्राम अल्हादाखेड़ी निवासी श्री दीपक मालवीय कहते हैं कि पहले रोजगार के केवल 100 दिन मिलते थे, लेकिन अब 125 दिनों तक काम मिलने से परिवार की आय में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत बनेगी।

श्री दीपक मालवीय ने कहा, यह योजना हम जैसे ग्रामीण और मजदूर परिवारों के लिए बहुत लाभकारी है। अब गांव के आसपास ही ज्यादा दिनों तक काम मिलेगा, जिससे बाहर मजदूरी के लिए कम जाना पड़ेगा। रोजाना कम से कम 300 रुपये की मजदूरी मिलने से परिवार का खर्च चलाना आसान होगा और बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य जरूरतें भी बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का हृदय से धन्यवाद देता हूं।

नई योजना में केवल रोजगार के दिनों में ही वृद्धि नहीं की गई है, बल्कि ग्रामीण विकास को भी नई दिशा दी गई है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण, तालाबों और खेत-तालाबों का निर्माण, वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण सड़क एवं आधारभूत संरचना का विकास, कृषि उत्पादकता बढ़ाने वाले कार्य, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा महिलाओं सहित सभी ग्रामीण श्रमिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। इसके साथ ही समय पर रोजगार उपलब्ध कराने, निर्धारित अवधि में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने तथा कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भी प्रभावी प्रावधान किए गए हैं।

संयोजकों के मार्गदर्शन में पहली बार सकल जैन श्रीसंघ के बच्चे देखेंगे विधानसभा की जीवंत कार्यवाही

जैन सोशल ग्रुप का शैक्षणिक भ्रमण, विज्ञान एवं जनजातीय संस्कृति से भी होंगे रूबरू

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बच्चों में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं तथा ज्ञान-विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप नागदा द्वारा 21 जुलाई को भोपाल के लिए एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। इस भ्रमण में सकल जैन श्रीसंघ के विद्यार्थियों का दल मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की जीवंत कार्यवाही को दर्शक दीर्घा में बैठकर प्रत्यक्ष रूप से देखेगा तथा विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को निकट से समझेगा।

जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम एवं सचिव प्रशांत नाहर ने बताया कि संभवतः यह पहला अवसर होगा, जब सकल जैन श्रीसंघ के बच्चे एक साथ विधानसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। इससे विद्यार्थियों को लोकतंत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण की संपूर्ण रूपरेखा संयोजक यशवंत धूपिया, अमित बंम एवं पंकज पावेचा के मार्गदर्शन एवं संयोजन में तैयार की गई है। वहीं अरविंद नाहर, दिलीप कांठेड़, श्रेणिक जैन, शर्मिला बंम, श्रुति मुरडिया, सरिता सकलेचा, वीभा बंम एवं टीना जैन के संरक्षण एवं सहयोग से इस ज्ञानवर्धक यात्रा का सफल संचालन किया जाएगा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को भोपाल स्थित साइंस सेंटर एवं ट्रायबल म्यूजियम भी ले जाया जाएगा, जहां वे विज्ञान, नवाचार, जनजातीय संस्कृति, इतिहास एवं परंपराओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करेंगे। संस्था का मानना है कि यह भ्रमण विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक एवं व्यवहारिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस शैक्षणिक यात्रा के लाभार्थी सुरेश जैन एडवोकेट, पारस पोखरना एवं नितिन बुडावनवाला हैं, जिनके सहयोग से विद्यार्थियों को यह विशेष अवसर प्राप्त हो रहा है।

इस ऐतिहासिक पहल पर भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, वरिष्ठ समाजसेवी रवि कांठेड़, प्रकाश जैन, दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष सुनील जैन, वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ अध्यक्ष सतीश जैन (सांवेर वाले), मूर्तिपूजक श्रीसंघ अध्यक्ष मनीष जैन, जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के अध्यक्ष बिरेन भाई शाह, मध्यप्रदेश रीजन अध्यक्ष राहुल चपडौद, उपाध्यक्ष शरद जैन, अवार्ड कमेटी कन्वीनर मनीष चपलोत, संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र कांठेड़, एस. एम. सिसौदिया, सुभाष बाफना, कमल जैन, मुकेश धोका, सुरेन्द्र कांकरिया, संजय मुरडिया, हितेष कांठेड़, रवि संघवी, राजा कर्नावट, साधना जैन, मनीषा गांग, मनोज वागरेचा, डॉ. विपिन वागरेचा, सिद्धार्थ कांठेड़, अंकुर जैन, आशीष पोखरना, कुशल भंसाली, सुरेश नाहटा, ब्रजेश बोहरा, डॉ. नितिशा वागरेचा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं समाजजनों ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस पहल को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम बताया है।

आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती और सिंचाई विस्तार से बनेगा समृद्ध मध्यप्रदेश, झाबुआ की कृषि, कड़कनाथ, प्राकृतिक खेती, टमाटर प्रसंस्करण की सराहना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि टांट्या मामा के पुरुषार्थ एवं वीर झब्बू भील की कर्मभूमि झाबुआ जनजातीय संस्कृति और समृद्ध कृषि परंपराओं का गौरवशाली जिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व में झाबुआ जिला विक्रम विश्वविद्यालय के अंतर्गत आता था, इसलिए यह जिला सदैव उनके मन के करीब रहा है। झाबुआ के भुट्टों का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस मौसम में यहां के भुट्टों का आनंद ही अलग है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷प्राकृतिक खेती÷ के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों की प्राकृतिक खेती का शासन द्वारा प्रमाणीकरण भी कराया गया है।

उन्होंने कहा कि झाबुआ का नाम आते ही कड़कनाथ की पहचान स्वतः सामने आती है। झाबुआ और कड़कनाथ एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ योजना के माध्यम से कड़कनाथ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में जिले में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जोड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार बन सकता है। पशुपालन विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में 760 से अधिक तालाबों का विकास किया गया है, जिनमें लगभग तीन हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगदी फसल के रूप में कपास उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खरीफ-2026 में अब तक जिले में 23 हजार 230 हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की बोवनी हो चुकी है, जो पिछले वर्ष के 19 हजार 888 हेक्टेयर की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि धार जिले के बदनावर स्थित पीएम मित्रा पार्क से झाबुआ के कपास उत्पादक किसानों को ÷खेत से कारखाने÷ तक की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों की आय, रोजगार एवं औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पेटलावद में स्थापित टमाटर प्रसंस्करण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में 2,812 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती की जा रही है तथा लगभग 1.68 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है। यहां टमाटर उत्पादक किसानों का क्लस्टर विकसित किया गया है तथा टमाटर सॉस और केचअप का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा 12 सोलर ड्रायर यूनिट स्थापित कर टमाटर का डिहाइड्रेशन भी किया जा रहा है। झाबुआ का टमाटर राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले में 500 हेक्टेयर क्षेत्र में वैज्ञानिक तकनीक आधारित रेज़्ड बेड सोयाबीन उत्पादन किया गया है, जिससे 10 से 15 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ है। यह जिले में आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना को जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि परियोजना पूर्ण होने पर लगभग 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा तथा करीब 50 हजार किसानों को लाभ मिलेगा। इससे जल संरक्षण, सिंचाई दक्षता एवं कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झाबुआ जिले में कोदो-कुटकी उत्पादन को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पहली बार शासन द्वारा इसकी सरकारी खरीदी की गई तथा एक हजार क्विंटल खरीदी पर बोनस भी प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए बताया कि राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 71 अस्पतालों के उन्नयन का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत झाबुआ जिले के पेटलावद स्थित बामनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 6 बिस्तरों से बढ़ाकर 30 बिस्तरों का किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि भोपाल जिले के जगदीशपुर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 में फसलों को हुए नुकसान के एवज में प्रदेश के 10.54 लाख किसानों के बैंक खातों में 1,460.25 करोड़ रुपये की बीमा दावा राशि का अंतरण किया गया। उन्होंने कहा कि यह राशि प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रभावित किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आदिवासी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) की तैयारियों को लेकर आज बदनावर के भेरूपाड़ा पंचायत में सर्व आदिवासी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन, संस्कृति की रक्षा सहित 9 अगस्त को होने वाले ऐतिहासिक आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 9 अगस्त केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के हक, अस्तित्व और स्वाभिमान की आवाज बुलंद करने का अवसर है। समाज के लोगों ने विस्थापन, उद्योग और आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बैठक में 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस का मुख्य कार्यक्रम बदनावर नगर में किया जाएगा आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। बैठक में मुख्य अतिथि विक्रम राठौड़, ए एल गरवाल, लूना भूरिया,भील सेना तहसील अध्यक्ष भेरूलाल वसुनिया जयस तहसील अध्यक्ष दिलीप भुरिया, नेशनल जयस अध्यक्ष राहुल गरवाल जयस उपाध्यक्ष ऊंकार भाभर, कन्हैया गिरवाल कार्यक्रम को लेकर निम्न साथियों को जिम्मेदारी दी गई- अजित गणावा, राधेश्याम मंडलोई, संतोष मुनिया सरपंच जलोदखेता, दौलतराम भाभर,राजकुमार चौहान, राजेश वसुनिया,एवं सर्व आदिवासी समाज के अनेक पदाधिकारी, युवा और समाजजन उपस्थित रहे।

बड़वानी आबकारी विभाग, वृत सेंधवा एवं वृत अंजड़ द्वारा अवैध मदिरा पर कार्यवाही

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के आदेश पर 18 जुलाई 2026 को जिला आबकारी अधिकारी श्री अशोक कुमार खत्री के निर्देश पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी सेंधवा श्री राजेश मंडलोई , सहायक जिला आबकारी अधिकारी अंजड़ श्रीमती अभिलाषा वर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी बल द्वारा मुखबिर की औचक सूचना पर कार्यवाही कि गई। जिसमें नवलपुरा नाले सेंधवा , अंजड़ वृत में नर्मदा किनारे, ग्राम ठीकरी, ग्राम बांदर कच्छ, ग्राम ग्राम दवाना, ग्राम नंद गांव में कुल 130 ड्डह्य अवैद्य हाथ भट्ठी मदिरा एवं 950 द्मद्द महुवा लाहन जब्त कर आबकारी अधिनियम धारा 34/2 के तहत एक प्रकरण एवं 34/1 के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गये। आबकारी विभाग द्वारा आज दिनांक 18/7/2026 को वृत सेंधवा के,क्करोड नगर सेंधवा, ग्राम गावड़ी,में होटल आशीष ढाबा, आदि किराना कोल्ड्रिंग होटल,होटल आगरा ढाबा, डावर किराना, होटल महाकाल ढाबा, जय भवानी ढाबा, एम पी कोल्ड्रिंग होटल में औचक चैकिंग कारवाही की गई। जिसमें कार्यवाही के दौरान कुल 1.8 ड्डह्य प्लेन देशी मदिरा,2.16 ड्डह्य विदेशी विस्की मदिरा, 08 ड्डह्य बीयर मदिरा जब्त कि गई। आबकारी विभाग की दो टीमों द्वारा में दिनांक 18/7/26 को कुल 11 स्थानों पर औचक दबिश कार्यवाही की गई एवं 07 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34/1 के तहत , जिसमें एक प्रकरण धारा 34/2 के तहत दर्ज किये गया है। कुल ज़ब्तशुदा मदिरा एवं सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1,12653/ रूपये है। कार्यवाही में जिला उपनिरीक्षक श्री दिलीप जायसवाल, परिवीक्षाधीन उप निरीक्षक सुश्री नेहा मौर्य,प्रधान आरक्षक श्री प्रदीप भावसार, प्रधान आरक्षक श्रीमती गंगा सोलंकी, प्रधान आरक्षक श्री इरफान अली,प्रधान आरक्षक श्री सुदेश कुमार आचार्य, प्रधान आरक्षक श्री हुकुमचंद पाटीदार, आरक्षक श्री इमलेश पंवार, श्रीमती प्रिया सुलिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रकरण आबकारी उप निरीक्षक सेंधवा के. एस. मांगोदिया एवं उप निरीक्षक कमलेश बामनिया, अंजड़ द्वारा पंजीबद्ध किए गए। आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही लगातार ज़ारी है।

शासकीय आईटीआई रामपुरा में 21 जुलाई को होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), रामपुरा, जिला नीमच में 21 जुलाई 2026 को प्रात-10 से दोपहर 1 बजे तक प्लेसमेंट कैंप आयोजित किया जाएगा। प्लेसमेंट कैंप में VACMET INDIA LTD., यूनिट-- उज्जैन एवं धार (म.प्र.) द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें 12वीं उत्तीर्ण एवं आईटीआई पास अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को अपने समस्त आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। प्लेसमेंट कैंप संबंधी अधिक जानकारी के लिए प्राचार्य श्री एच.एस. डावर (मो. 9827769729) तथा प्लेसमेंट अधिकारी श्री आनंद डामोर (मो. 9039338199) से संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन एवं शासकीय आईटीआई रामपुरा ने जिले के अधिक से अधिक पात्र युवाओं से इस रोजगार अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन संबंधी जिला स्तरीय बैठक आयोजित

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन, युक्तिकरण एवं भावी प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव श्री ए.के. सिंह एवं सदस्य श्री मुकेश शुक्ला भी उपस्थित रहे। बैठक में आयोग ने जिला के सभी विभागों के अधिकारियों से संभाग, जिला, उपखंड, तहसील एवं जनपद स्तर की वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था, जनसुविधाओं, भौगोलिक परिस्थितियों, प्रशासनिक दक्षता तथा भविष्य की आवश्यकताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों से प्रशासन को अधिक जनोन्मुखी, सुलभ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आवश्यक सुझाव भी आमंत्रित किए गए। आयोग ने निर्देश दिए कि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन अथवा नवीन इकाइयों के गठन संबंधी प्रस्ताव निर्धारित प्रश्नावली एवं मापदंडों के अनुरूप तैयार कर भेजे जाएं। साथ ही जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागों एवं अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर समुचित अनुशंसा के साथ आयोग को प्रेषित किया जाए। बैठक में जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रशासनिक आवश्यकताओं, मानव संसाधन, सेवा प्रदाय व्यवस्था एवं क्षेत्रीय चुनौतियों पर सुझाव प्रस्तुत किए। आयोग द्वारा प्राप्त सुझावों एवं प्रस्तावों का निर्धारित मानकों के आधार पर परीक्षण कर राज्य शासन को अनुशंसाएं भेजी जाएंगी।

मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग, भोपाल के अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा, सचिव श्री ए.के. सिंह एवं सदस्य श्री मुकेश शुक्ला ने गुरुवार को जिले के महेश्वर एवं कसरावद विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीण विकास, आजीविका गतिविधियों तथा कृषि एवं उद्यानिकी के नवाचारों का अवलोकन किया।

अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर जिले के विकास को दें गतिः सांसद श्री पटेल

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, जिला पंचायत सीईओ,जनपद पंचायत पाटी के अध्यक्ष श्री थान सिंह पटेल, राजपुर अध्यक्ष श्रीमती अनिता खन्ना, ठीकरी अध्यक्ष श्री मनोहर, पानसेमल अध्यक्ष श्रीमती शीला विनोद वसावे, नगर परिषद पानसेमल के अध्यक्ष श्री शैलेष रमेश भंडारकर सहित समिति के सम्मानित सदस्य एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

विभागीय योजनाओं और प्रगतिरत कार्यों की गहन समीक्षा बैठक में सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल ने पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने मप्र जल निगम की पेयजल पाइपलाइन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों, और पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आजीविका मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), जनजातीय कार्य विभाग, वन विभाग, नगरीय निकाय, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की ।

संवाद और समन्वय से विकास को दें गति लोकसभा सांसद श्री पटेल ने सभी विभागीय अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि अधिकारी अपनी विभागीय कार्ययोजना बनाकर कार्य करें और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए जिले के विकास को गति दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिशा समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि ने खरीफ 2026 के तहत कृषि, सहकारिता और राजस्व विभाग के समन्वय से लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था और संतुलित खाद वितरण के संबंध में जानकारी दी। इस पर सांसद ने निर्देश दिए कि विभाग जमीनी स्तर पर निरंतर संवाद बनाए रखे ताकि किसानों को नियमानुसार और समय पर खाद उपलब्ध हो सके और वितरण में उन्हें कोई परेशानी न आए।

मप्र जल निगम के अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि तलून खुर्द परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं, सेगवाल-1 का 85त्न और सेगवाल-2 परियोजना का लगभग 75त्न कार्य पूरा हो चुका है, जिन्हें जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। सांसद ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है जिससे जिले के 600 से अधिक ग्राम लाभान्वित होंगे। अतः कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए ताकि लोगों को पेयजल आपूर्ति हो सके। बैठक में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) के अंतर्गत जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। सांसद ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा एलडीएम बड़वानी व उप संचालक कृषि को एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) के तहत प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बांस के सहारे खुल गए धर्म सिंह की तरक्की के नए रास्ते

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी ज़मीन पर फैली मटर की बेलों से अपेक्षित उत्पादक न पाकर मायूस हो जाने वाले किसान धर्म सिंह कुशवाह आज गर्व से अपने खेत की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि बस थोड़ा सा तरीका बदला और पूरी तस्वीर बदल गई। धर्म सिंह ने स्टेकिंग विधि अपनाकर न सिर्फ अपनी मटर की फसल को नई पहचान दी, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी एक मिसाल कायम कर दी। नई तकनीक अपनाने से मटर उत्पादन में तो इजाफा हुआ ही, साथ ही उच्च गुणवत्ता की मटर पैदा होने से मंडी में भाव भी अच्छे मिलने लगे।

ग्वालियर जिले के विकासखंड घाटीगांव के ग्राम पचपन का पुरा (बरई) निवासी धर्म सिंह कुशवाह के पास कुल 2.863 हेक्टेयर भूमि है। वे बताते हैं कि सालों से वे परंपरागत ढंग से मटर उगाते आ रहे थे, जिसमें बेलें ज़मीन पर बिछी रहती थीं। इस कारण आधी फसल कीड़ों और फफूँद की भेंट चढ़ जाती, फलियाँ दागी और छोटी निकलतीं। इससे मंडी में मेहनत के मुताबिक दाम भी नहीं मिलता। हर सीज़न मेहनत वही, मगर मुनाफा फीका।

बदलाव की शुरुआत हुई गाँव पहुँचे उद्यानिकी अधिकारियों की एक सलाह से। धर्म सिंह बताते हैं कि उन्होंने विभाग की सलाह पर एक एकड़ भूमि पर स्केटिंग तकनीक आज़माने का फैसला किया। वे कहते हैं कि हमने मटर के खेत में बांस गाड़े, तार बांधे, ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग बिछाई और बेलों को सहारा देकर ऊपर चढ़ाया। जो बेलें कभी ज़मीन पर बेजान पड़ी रहती थीं, वे अब खुले आसमान की ओर बढ़ने लगीं। भरपूर धूप और हवा पाकर लहलहा उठीं।

धर्म सिंह बताते हैं देखते ही देखते वह पल आया जिसका हमें इंतज़ार था। प्रति एकड़ उत्पादन 40 क्विंटल से बढ़कर 55 क्विंटल जा पहुँचा। फलियाँ ज़मीन को छुई तक नहीं, इसलिए दागरहित, सीधी और लंबी निकलीं। मंडी में इनकी चमक ने खरीदारों को लुभाया और भाव पहले से 20 प्रतिशत ज़्यादा मिला। ड्रिप और मल्चिंग की जोड़ी ने खरपतवार पर लगाम कसी, पानी की खपत घटाई, और पौधे स्वस्थ रहने से दवाई का छिड़काव भी आधा रह गया।

आज धर्म सिंह पूरे विश्वास के साथ कहते हैं जब एक एकड़ में ये नतीजे मिल सकते हैं, तो पूरी खेती में क्यों नहीं? अब वे अपनी संपूर्ण मटर की खेती इसी तकनीक से करने जा रहे हैं और गाँव के अन्य किसानों को भी इससे जोड़ने की मुहिम में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए धर्म सिंह कहते हैं कि मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश में इस साल किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। जिसके तहत किसानों को उन्नत खेती के लिये मार्गदर्शन मिल रहा है।

जिले के कृषक 31 जुलाई तक अवश्य करा लें अपनी फसल का बीमा

केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम में मिलेगी प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ग्वालियर जिले में खरीफ फसलों के बीमा के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले में मनाए जा रहे फसल बीमा माह के अंतर्गत ऋणी एवं अऋणी कृषकों की अधिसूचित खरीफ फसलों का व्यापक स्तर पर बीमा किया जा रहा है। किसान 31 जुलाई 2026 तक अपनी फसल का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले संभावित नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक पात्र किसानों का फसल बीमा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ग्राम स्तर पर प्रभावी जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि जिले का कोई भी पात्र किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर ने जिले के किसानों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील की है।

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि, बाढ़, सूखा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल को होने वाली क्षति की स्थिति में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करती है।

केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम में मिलेगा सुरक्षा कवच- उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों के लिए किसानों को केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करना होता है, जबकि शेष प्रीमियम का वहन केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि वे अपने निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी), फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा मोबाइल एप अथवा अधिकृत बीमा कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित फसल का बीमा अवश्य कराएं। ग्वालियर जिले में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के माध्यम से फसल बीमा किया जा रहा है।

अधिक जानकारी के लिए यहां करें संपर्क- योजना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी अथवा निकटतम कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के हेल्पलाइन नंबर 14447 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिले में फसल बीमा संबंधी सहायता के लिए श्री अभिषेक गौतम (मोबाइल- 98272-56464) से भी संपर्क किया जा सकता है।

गुड़ा-गुड़ी के नाका में दीवार गिरने से महिला की मौत, दो घायल, जिला प्रशासन ने तत्काल राहत पहुंचाई, प्रत्येक प्रभावित को 10-10 हजार रुपये की सहायता

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर के वार्ड क्रमांक 55 स्थित गुड़ा-गुड़ी के नाका क्षेत्र में रविवार को हुई एक दुखद दुर्घटना में दीवार गिरने से एक महिला की मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। जिला प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। एडीएम श्री सी.वी. प्रसाद सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मशीनों की सहायता से मलबा हटवाया और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को घायलों के समुचित एवं बेहतर उपचार के निर्देश भी दिए हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से सभी प्रभावितों को तत्काल राहत के रूप में प्रत्येक को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में सपना बाथम (30 वर्ष) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं राहुल जाटव (40 वर्ष) एवं बेताल जाटव (36 वर्ष) घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि संबंधित दीवार के निर्माण की ड्राइंग, डिजाइन एवं निर्माण गुणवत्ता की निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में खूनी संघर्ष... दो लोगों की मौत

लाठी, तलवार, पत्थर और फायरिंग से मचा कोहराम- शॉर्ट एनकाउंटर के बाद मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नीलगंगा थाना क्षेत्र शनिवार रात उस समय गोलियों की आवाज और चीख-पुकार से गूंज उठा, जब पुरानी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए हिंसक संघर्ष में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हमले में एक भाई ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान अस्पताल में अंतिम सांस ली। वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार पासी और गोरकर परिवार के बीच होली के समय एक महिला को लेकर विवाद हुआ था। उस समय मामला शांत हो गया था, लेकिन दोनों परिवारों के बीच दुश्मनी खत्म नहीं हुई। इसी रंजिश ने शनिवार रात करीब 11 बजे दरबार फूड रेस्टोरेंट के सामने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों पक्ष आमने-सामने आए और देखते ही देखते लाठी, डंडे, तलवार और पत्थरों से हमला शुरू हो गया। आरोप है कि इस दौरान चार राउंड फायरिंग भी की गई। एक गोली लोकेश गोरकर को लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल बड़े भाई जय गोरकर और चचेरे भाई तपन को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार सुबह जय ने भी दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पूरे क्षेत्र में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी नरेश पासी को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर लोकेश, राकेश, बंटी और मंजूबाई को भी पकड़ लिया गया। वहीं सन्नी, रोशन और दुर्गेश अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों भाइयों के शव परिजनों को सौंप दिए गए। दोनों की अंतिम यात्रा एक साथ निकली, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए अंतिम संस्कार के दौरान भी पुलिस बल तैनात रहा। परिजनों ने बताया कि दोनों भाइयों के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। बड़े भाई जय की शादी दो वर्ष पहले हुई थी, जबकि छोटे भाई लोकेश की शादी की तैयारियां चल रही थीं। अब परिवार में केवल उनकी मां ही बची हैं। दो बेटों की एक साथ मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एडिशनल एसपी गुरु प्रसाद पराशर ने बताया कि मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

11 दिन बाद बरसे मेघ, उज्जैन में बारिश से मौसम हुआ सुहाना

शाम को कई इलाकों में हुई तेज व हल्की बारिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब 11 दिन के लंबे इंतजार के बाद रविवार शाम आखिरकार मानसून ने उज्जैन में फिर दस्तक दे दी। दिनभर तेज धूप और उमस से परेशान लोगों को शाम होते ही राहत मिली। आसमान में काले बादल छाए और शहर के कई हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश शुरू हो गई।

रुक-रुककर हुई बारिश से सड़कों पर पानी भर गया और मौसम सुहाना हो गया। लोगों ने भी बारिश का आनंद लिया और उमस भरी गर्मी से राहत महसूस की।

मौसम विभाग के अनुसार इससे पहले 7-8 जुलाई की रात शहर में करीब 0.7 इंच बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद लगभग 11 दिनों तक अच्छी बारिश नहीं होने से किसान और आम लोग चिंतित थे। रविवार की बारिश के बाद जिले में इस मानसून सीजन की कुल वर्षा 426 मिमी तक पहुंच गई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर हुई यह बारिश सोयाबीन सहित खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी। खेतों में नमी बढ़ने से फसलों की बढ़वार बेहतर होगी और किसानों को सिंचाई की चिंता भी कम होगी।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नमी के कारण मालवा क्षेत्र में नया मानसूनी सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से अगले तीन से चार दिनों तक उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

सोमवार को दिनभर बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के समय तेज बौछारें पड़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मंगलवार को कई क्षेत्रों में तेज बारिश और आंधी चलने के आसार हैं। वहीं गुरुवार और शुक्रवार तक मानसूनी गतिविधियां और तेज होने की संभावना जताई गई है। यदि मौसम विभाग का पूर्वानुमान सही रहा तो शहर और जिले में सावन के दौरान अच्छी बारिश का दौर देखने को मिल सकता है, जिससे किसानों के साथ-साथ आम लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

105 वर्षीय भेरूलाल ने पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम बाड़कुमेद स्थित खाटू श्याम मंदिर दूरदर्शी में रविवार को मीणा समाज द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 105 वर्षीय भेरूलाल जमादार ने पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का अमूल्य संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक जनों ने एक पौधा एक जीवन और हरियाली ही हमारी सच्ची विरासत के विचार के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

आयोजन में मुख्य अतिथि भेरूलाल जमादार के साथ समाज के अध्यक्ष संतोष मीणा, कमल पटेल, मानसिंह मीणा, हेमराज मीणा, मोहनलाल मीणा और जगदीश मीणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम में उज्जैन जिला मीणा समाज की टीम से जिलाध्यक्ष योगेश मीणा, युवा अध्यक्ष आशुतोष मीणा, राजेश मीणा, बालमुकुंद मीणा, सतीश चांदा, सतीश खोड़ा, संजय मीणा चक, पंकज चांदा और महेश मीणा शामिल हुए। इसके साथ ही ग्राम बाड़कुमेद के युवा मीणा समाज से आत्माराम मीणा, पिंटू मीणा, कैलाश मीणा, शक्ति मीणा, धर्मेंद्र मीणा, आकाश मीणा, अमन मीणा, अनिल मीणा, राज मीणा, पीयूष मीणा, सुजल मीना, सचिन मीणा सहित कमल पटेल, हाकम पटेल, सतनारायण पाटीदार और गब्बर पटेल ने भी उत्साहपूर्वक पौधे रोपकर अपनी भागीदारी निभाई।

पद्मश्री से सम्मानित परिषद उपाध्यक्ष श्री नागर के आथित्य में हुआ पौधरोपण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पौधरोपण के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखें की अपने देसी पौधों जैसे आम,जाम, जामुन, नीम, बड, पीपल, बैल आदि पौधों का रोपण अधिकता से हो ताकि यह पर्यावरण के साथ-साथ मानव जीवन के लिए भी उपयोगी साबित हो।

उक्त विचार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त पद्मश्री से सम्मानित श्री मोहन नागर ने विकासखंड बडनगर के ग्राम बीसाहेड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का बाद संवाद संगोष्ठी को संबोधित हुवे कहां की विदेशी नस्ल के पौधे ना जमीन के लिए उपयोगी है ना ही पर्यावरण संरक्षण में उनका कोई विशेष योगदान होता है।

मंचासीन अथिति- कार्यक्रम में संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय, बिसाहेड़ा सरपंच प्रतिनिधि श्री भोलाराम चौहान, सांसद प्रतिनिधि श्री रवी रावल, बमनापाती सरपंच श्री संतोष राठौड़, उंटवास के उप सरपंच मंचासीन रहे है।

प्रस्फुटन वाटिका में त्रिवेणी सहित अन्य पोधो का रोपण- संगोष्ठी कार्यक्रम के पूर्व सभी अतिथियों ने बिसाहेड़ा प्रस्फुटन समिति एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से निर्मित प्रस्फुटन वाटिका का अवलोकन किया एवं त्रिवेणी निम, बड़,पीपल का रोपण कर जामफल एवं सीताफल के 21 पौधों का रोपण जन समूह के साथ किया।

सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में सुरक्षा पर सबसे ज्यादा जोर

प्रशिक्षण के दूसरे दिन आईआईटी बॉम्बे के विशेषज्ञों ने अभियंताओं को सुरक्षित निर्माण, जोखिम पहचान और दुर्घटना रोकथाम के दिए व्यावहारिक गुर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के निर्माण कार्यों को सुरक्षित और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय निर्माण सुरक्षा क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण के दूसरे दिन शनिवार को आयोजित प्रशिक्षण में जल संसाधन विभाग, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग (सिंहस्थ) सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अभियंताओं और तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधन, संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित कार्य प्रणाली की जानकारी दी। समूह गतिविधियों, अध्ययन प्रकरणों और सुरक्षा अभ्यास के माध्यम से अभियंताओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही निर्माण स्थल का भ्रमण कर सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग, आपातकालीन व्यवस्था और सुरक्षा नियमों के पालन का प्रत्यक्ष अभ्यास भी कराया गया। प्रशासन ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सिंहस्थ-2028 से जुड़े सभी निर्माण कार्यों में सुरक्षा सबसे पहले की नीति अपनाई जा रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के विशेषज्ञों के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण अभियंताओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रशासन का लक्ष्य है कि सिंहस्थ-2028 की सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में, उच्च गुणवत्ता और पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ पूरी हों, ताकि निर्माण कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न्यूनतम रहे।

शनिवार से बढ़ गई महाकाल लोक और महाकाल में भक्तों की भीड़

महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण राज्यों के श्रध्दालुओं की संख्या भी अधिक-रविवार को भी बढ़ी संख्या में लोग पहुंचे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर तथा महाकाल लोक में शनिवार से भक्तों की संख्या बढ़ गई है। पिछले दो दिनों में महाकाल में करीब 1.5 लाख भक्त दर्शन के लिए आए। आज सुबह भी चलित भस्म आरती से लेकर सामान्य दर्शनार्थियों की संख्या अधिक नजर आ रही थी।

एक दिन पहले भी महाकाल मंदिर के आसपास मार्गों पर जाम जैसी स्थिति थी और महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण राज्यों के श्रध्दालुओं का अधिक आगमन हो रहा था।

उल्लेखनीय है कि महाकाल महालोक निर्माण के बाद से महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार, रविवार को छोडकर शेष दिनों में भी 60 से 70 हजार श्रध्दालु प्रतिदिन महाकाल के दर्शन करते रहे हैं। वहीं शनिवार, रविवार और सोमवार को प्रतिदिन का आंकड़ा एक लाख के पार रहता है। सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल ने बताया कि महाकाल में रोजाना 60 से 70 हजार दर्शनार्थी वीकेण्ड को छोड़कर दर्शन करते रहे हैं, लेकिन एक दिन पहले शनिवार तथा आज रविवार को दो दिनों में लगभग 1.5 लाख से अधिक श्रध्दालु महाकाल दर्शन के लिए पहुंचे हैं। भस्म आरती की सीटें अभी भी फुल चल रही है और आज सुबह भी चलित व्यवस्था क जरिए 4 हजार से अधिक भक्तों ने भस्म आरती के दर्शन किए हैं। इधर महाकाल में महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण राज्यों के श्रध्दालुओं की संख्या बढ़ गई है। कल भी हरसिध्दि चारधाम के बीच स्थित पार्किंग और नृसिंह घाट पहुंच मार्ग पर महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण राज्यों की बसें अधिक नजर आ रही थी। आज सुबह से ही महाकाल के आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की संख्या अधिक नजर आ रही थी और भीड़ भी उमड़ रही थी।

झूठी निकली युवक की एसिड से जलाने की कहानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह महाकाल थाना पहुंचा युवक बोला कि रात में उसे एसिड डालकर जला दिया है। एक महिला और कुछ युवकों ने उससे 30 हजार रूपये छीने है। पुलिस ने जांच शुरू की, कुछ देर में पूरा मामला झूठा साबित हो गया। महिला उसकी पत्नी थी, जिससे उसका विवाद चल रहा है। युवक गर्म पानी झुलसा था। जिसके मजिस्ट्रेट बयान दर्ज कराये गये है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि सुबह योगीपुरा में रहने वाला सतीश पिता धनीराम 32 साल थाने आया था और बोला कि उसे रात 1 बजे गौंड बस्ती में सपना, मोनू, कृष्णा, नवीन, करण और गबलू ने एसिड डालकर जला दिया और 30 हजार रूपये लेकर भाग निकले। मामला प्रथमदृष्टता संदिग्ध होना सामने आया, रातभर में घटना के बाद युवक थाने नहीं आया था। जिसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया और जांच शुरू की गई। पता चला कि वह फूल प्रसाद की दुकान पर काम करता है और आगरा का रहने वाला है। उसने गौंड बस्ती में रहने वाली सपना से शादी की थी, जिससे विवाद चल रहा। रात में पत्नी से विवाद होने पर गर्म पानी झुलस गया था। थाना प्रभारी के अनुसार अस्पताल में भर्ती युवक के मजिस्ट्रेट बयान तहसीलदार स्तर पर दर्ज कराये जा रहे है। एसिड डालकर जलाने और रूपये छीनने की कहानी झूठी होना सामने आई है।

गाय को बचाने में जीरो पाइंट ब्रिज पर पलटी कार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 2-30 बजे जीरो पाइंट ब्रिज के पास कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। 2 युवक घायल हुए थे। मामूली चोट होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया।

बताया जा रहा है कि तिरुपति एवेन्यू में रहने वाला ऋषि पिता प्रवीण दीक्षित अपने दोस्त श्याम के साथ रात 2-30 बजे कार में सवार होकर घर लौट रहा था। जीरो पाइंट ब्रिज सेबढांचा भवन की ओर उतर रहा था। अचानक गए सामने आने से ऋषि का संतुलन बिगड़ गया और कार पलटी खा गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस की डायल 112 मौके पर पहुंची। कार में सवार दोनों युवक बाहर निकल गए थे उन्हें चोट लगी थी दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। पुलिस का कहना था कि घटनाक्रम की जांच की जा रही है घायलों ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है लिखित आवेदन दिया है।

देवास गेट चौराहे से लेकर कोयलाफाटक तक के ट्रेफिक सिग्नल बंद

पिछले एक सप्ताह से नहीं हो पा रहा सुधार- चौराहों पर आवागमन अस्त व्यस्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे ट्रेफिक सिग्नलों का मैंटेनेंस समय पर नहीं हो पा रहा है। पिछले एक सप्ताह से देवास गेट बस स्टेण्ड चौराहे से लेकर चामुण्डा माता चौराहा होते हुए कोयला फाटक चौराहे तक आवागमन अस्त व्यस्त हो गया है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

चामुंडा चौराहा सहित शहर में प्रमुख 16 चौराहों पर 17 करोड़ का ट्राफिक इंटीग्रेटेड सिस्टम लगाए 5 साल बीत गए हैं। देवास गेट बस स्टेण्ड से लेकर चामुण्डा माता चौराहा, कोयला फाटक चौराहा, गाड़ी अड्डा चौराहा से लेकर मण्डी गेट चौराहे तक के ट्रेफिक सिग्नल पिछले एक हफ्ते से बंद पड़े हुए हैं। इसक कारण भीड़ भरे चौराहों पर आवागमन की व्यवस्था बिगड़ गई है और सिग्नल बंद होने से वाहन दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इधर अन्य स्थानों पर लगे ट्रेफिक सिग्नलों का समय भी सेट नहीं है। कई चौराहे ऐसे हैं जहाँ एक साईड का यातायात कम चलता है और अन्य तीन साईडों पर ट्राफिक का दबाव अधिक रहता है। इंदौर रोड, देवास रोड पर कुछ चौराहे ऐसे हैं जहां यातायात का दबाव इतना नहीं जितना ट्राफिक सिग्नल का समय सेट किया गया है। भरतपुरी चौराहा, सर्किट हाउस के आगे नागझिरी चौराहा, गाड़ी अड्डा चौराहे पर उद्योगपुरी वाली साईड आदि ऐसे स्थान हैं जहां कम यातायात के दबाव के बाद भी वाहन चालकों को अधिक समय तक सिग्नल के कारण खड़ा रहना पड़ता है। क्योंकि चौराहों पर सिग्नल के समय चारों दिशाओं में बराबर सेट किए हुए हैं। अगर व्यस्तता के हिसाब से इनकी सेटिंग की जाए तो ट्राफिक का दबाव कम किया जा सकता है। लोगों को चामुंडा चौराहा, तीन बत्ती चौराहा पर भी 1 मिनट से अधिक समय तक ग्रीन सिग्नल होने का इंतजार करना पड़ रहा है।

पांच दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद शिविर 20 से, बिना सर्जरी हटेगा मस्सा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के क्षीरसागर स्थित प्रकाश टॉकीज की गली में जायसवाल धर्मशाला में 20 से 24 जुलाई तक पांच दिवसीय निःशुल्क नाड़ी परीक्षण एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर के आयुर्वेद विशेषज्ञ और मां दुर्गा वन औषधि संजीवनी अनुसंधान के डायरेक्टर संतोष आनंद जायसवाल मरीजों की निःशुल्क जांच कर आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करेंगे।

पिछले 25 वर्षों से आयुर्वेद के क्षेत्र में सेवाएं दे रहे संतोष आनंद जायसवाल मुख्य रूप से उन मरीजों का इलाज कर रहे हैं जो पुराने और असाध्य रोगों से लंबे समय से परेशान हैं और जिन्हें कहीं और लाभ नहीं मिल पाया है। शिविर की सबसे बड़ी विशेषता बिना किसी सर्जरी के मात्र पांच मिनट में मस्सा निकालने की सुविधा है। इसके साथ ही लीवर, किडनी, पथरी, बवासीर, भगंदर, दमा, थायराइड, मिर्गी, माइग्रेन, साइटिका, लकवा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गठिया वात, कैंसर, चर्म रोग और निःसंतानता जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज भी किया जाएगा। महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं व बच्चों की स्मरण शक्ति और आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए विशेष दवाएं भी दी जाएंगी। आयुर्वेदिक उपचार से कई गंभीर रोगों के मरीजों को तेजी से स्वास्थ्य लाभ मिला है।

काम के बहाने नाबालिग से गार्ड रूम में अनैतिक कृत्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। काम दिलाने के बहाने नाबालिग के साथ अनैतिक कृत्य करने वाले आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया गया। नाबालिग के लापता होने पर परिजनों ने तलाश शुरू की थी, आरोपी नाबालिग को छोड़कर भाग निकला था। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। नागझिरी थाना एसआई पूजा सोलंकी ने बताया कि रतलाम की रहने वाली नाबालिग थाना क्षेत्र में चौकीदारी करने वाले मामा के यहां रह रही थी। 16 जून को नाबालिग लापता हो गई। परिजनों ने उसके नहीं मिलने पर तलाश शुरू की, रात में नाबालिग नागझिरी थाने से कुछ दूरी पर परिजनों को मिल गई। परिजनों ने पूछताछ की तो उसने बताया कि सामने वाली बिल्डिंग में काम करने वाला कान्हा पिता जगदीश परमार उसे काम दिलाने के बहाने साथ ले गया था और काफी देर तक घूमने के बाद नक्षत्र गार्डन स्थित गार्ड रूम में ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया। परिजनों ने 17 जुलाई को थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग के बयान दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई और चंद घंटो में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी कान्हा ग्राम कढ़ाई थाना महिदपुर का रहने वाला है। जिसके खिलाफ पास्को एक्ट में प्रकरण दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।

हामूखेड़ी मूकबधिर छात्रावास में चित्तौड़ा व बाफना परिवार ने रोपे 162 पौधे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रकृति संरक्षण के उद्देश्य से समाजसेवी व पूर्व नगर निगम सभापति प्रकाश चित्तौड़ा और उद्योगपति अशोक बाफना के परिवार ने अपने माता-पिता की स्मृति में 162 पौधे रोपे। यह पौधारोपण रविवार 19 जुलाई को देवास रोड स्थित हामूखेड़ी के शासकीय मूक-बधिर छात्रावास परिसर में किया गया।

होमगार्ड एवं एसडीआरएफ जवानों की तत्परता से दो श्रद्धालुओं की जान बची

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) निवासी शिवा केसरी (19 वर्ष) एवं विकास केसरी (17 वर्ष) महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के उपरांत शिप्रा नदी के रामघाट स्थित आरती स्थल पर स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान दोनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घाट पर तैनात स्थ्रक्ष्न सैनिक राजेंद्र रॉगोटा एवं होमगार्ड सैनिक विजय दायम ने तत्परता, सतर्कता एवं साहस का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए तत्काल नदी में छलांग लगाकर तथा दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय पर किए गए इस त्वरित बचाव कार्य से दोनों युवकों की जान बच गई।

उल्लेखनीय है कि धार्मिक नगरी उज्जैन में आयोजित होने वाले विभिन्न पर्वों, त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के जवान लगातार मुस्तैदी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से अब तक अनेक श्रद्धालुओं एवं नागरिकों का जीवन सुरक्षित बचाया जा चुका है। रामघाट पर एसडीआरएफ की नियमित तैनाती एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्थाओं के कारण डूबने की घटनाओं तथा उनसे होने वाली जनहानि में उल्लेखनीय कमी आई है।

होमगार्ड एवं एसडीआरएफ जिला कमांडेंट श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षित जवानों की तैनाती के साथ आधुनिक आपदा बचाव उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जाता है। शिप्रा नदी में फ्लोटिंग बॉल एवं लाइफ बॉय के माध्यम से सुरक्षा बैरिकेडिंग की गई है, जो श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है। पूर्व में कई ऐसे अवसर आए हैं जब स्नान के दौरान श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए, लेकिन उन्होंने बैरिकेडिंग में लगाए गए फ्लोटिंग बॉल एवं लाइफ बॉय का सहारा लेकर स्वयं को सुरक्षित रखा, जिसके बाद जवानों ने उनका सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा उत्कृष्ट ड्यूटी एवं सफल रेस्क्यू कार्य करने वाले जवानों को समय-समय पर प्रोत्साहित भी किया जाता है, जिससे उनका मनोबल बढ़े और वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपनी सेवाएं देते रहें।

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा इंगोरिया में किसान दिवस का भव्य आयोजन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक ऑफ इंडिया, उज्जैन अंचल द्वारा शुभरत्न परिसर, इंगोरिया में किसान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वित्तीय समावेशन तथा बैंक की विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण बैंकिंग योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि विशेषज्ञों, शासकीय अधिकारियों एवं बैंक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः बैंक टीम एवं स्टॉल स्टाफ के आगमन के साथ हुआ। इसके पश्चात स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, नाश्ता वितरण तथा जन-जागरूकता के लिए जिंगल्स का प्रसारण किया गया। किसानों का नीले स्टोल पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा वित्तीय साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री नितिन देशपांडे का प्रवेश द्वार पर सुश्री आशा हिंगर द्वारा पारंपरिक तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक श्री नितिन देशपांडे, आंचलिक प्रबंधक श्री अजीत कुमार शरण, उप आंचलिक प्रबंधक श्री प्रदीप कुमार कमल एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का साफा एवं पौधा भेंट कर सम्मान करने के साथ हुआ।

कार्यक्रम में आंचलिक प्रबंधक श्री अजीत कुमार शरण ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं कृषि विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात श्री लक्ष्मण गाडके ने बैंक के कृषि उत्पादों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में एलडीएम श्री संजीव मिश्रा, कृषि विज्ञान केंद्र, उज्जैन के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. हंसराज सिंह जाटव, पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सतीश शर्मा, सीए अमन पंवार, प्रगतिशील किसान श्री गोपाल डोडिया तथा जिला उद्यानिकी अधिकारी श्री कृष्ण नायक नरगावे ने किसानों को आधुनिक खेती, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, पशुपालन, उद्यानिकी तथा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक श्री नितिन देशपांडे ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया सदैव किसानों के विकास एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है तथा कृषि ऋण, वित्तीय समावेशन एवं किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का निरंतर प्रयास कर रहा है।